मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

# उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 7 अंक 100
सोमवार, 21 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

# काशी की पहचान अब स्वास्थ्य सेवाओं से भी होती है : पीएम मोदी

**सुरेश गांधी**

**वाराणसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 90 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित झुनझुनवाला शंकरा सुपर स्पेशियलिटी आई हॉस्पिटल का उद्घाटन कांची कामकोटि पीठम कांचीपुरम तमिलनाडु के 70वें जगद्गुरु पीठाधिपति जगद्गुरु श्री शंकरा विजयेंद्र सरस्वती जी महराज की मौजूदगी में फीता काटकर किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने चिकित्सालय का उद्घाटन करने के बाद पूरे परिसर एवं व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। इसके बाद स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा सहित देश के लिए सात एयरपोर्ट से जुड़े 6,611.18 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कहा, इससे यूपी के सहारानपुर, मध्य प्रदेश के रीवा, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले काशी की पहचान अनंतकाल से धर्म और संस्कृति की राजधानी के रूप में रही थी। लेकिन अब बीएचयू में ट्रॉमा सेंटर हो, दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल हो या मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हो, पिछले 10 वर्षों में काशी में स्वास्थ्य सेवा में बड़े सुधार हुए हैं. काशी अब यूपी के पूर्वांचल के बड़े आरोग्य केंद्र, हल्थकेयर हब के रूप में भी विख्यात हो रहा है. जबकि इसके पहले दिमागी बुखार के लिए ब्लॉक स्तर पर हॉस्पिटल तक नहीं थे. पहले की सरकार कुछ नहीं करती थी. बीते दशक में काशी ही नहीं पूर्वांचल में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है. दस हजार से ज्यादा नए बेड जोड़े गए हैं. पांच हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं. आज डायलसिस की सुविधा मिल रही है. हेल्थ केयर के प्रति पुरानी सोच को उन्होंने बदल दिया है।

पीएम ने अस्पताल के उद्घाटन से पहले कांची मठ के शंकराचार्य परमपूज्य स्वामी विजयानंद सरस्वती महराज जी के दर्शन मौका मिला है। पीएम मोदी ने कहा कि अभी मुझे उनके आशीर्वाद से ही आज काशी को एक और आधुनिक अस्पताल मिला है. भगवान शंकर की नगरी में आरजे शंकरा नेत्र अस्पताल जन-जन को समर्पित है. उन्होंने कहा कि आरजे शंकरा नेत्र अस्पताल वाराणसी और इस क्षेत्र के अनेक लोगों के जीवन से अंधकार दूर करेगा, उन्हें प्रकाश की ओर ले जाएगा. ये अस्पताल

बुजुर्गों की भी सेवा करेगा और बच्चों को भी रोशनी देगा. यहां बहुत बड़ी संख्या में गरीबों को मुफ्त इलाज मिलने वाला है. ये अस्पताल यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लेकर आया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में एम्स, मेडिकल कॉलेज, सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के साथ छोटे शहरों में अस्पताल खोले गए हैं। मेडिकल कॉलेज में नई सीट भी जोड़ी गई है। आने वाले सालों में 75,000 नई मेडिकल की सीट जुड़ेंगे। लोगों की डिजिटल हेल्थ आईडी बनाई जा रही है। ई-संजीवनी में 30 करोड़ लोग ऑनलाइन परामर्श ले चुके हैं। द्रोण टेक्नोलॉजी से भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में हम आगे बढ़ रहे हैं। बिहार में भी एक शंकरा आई हॉस्पिटल खोलना चाहिए इससे यहां के रहने वाले लोगों को भी लाभ मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि आज हम गांव-गांव में लखपति दीदी बनाने का काम कर रहे हैं। देश में 3 करोड़ नए घर बनाए जा रहे है. उन्होंने कहा कि बनारस में जिन लोगों को आवास नहीं मिला है, उनको प्रधानमंत्री आवास मिलेगा।

सिगरा स्टेडियम में पीएम मोदी ने जनता के संबोधन की शुरूआत हर -हर महादेव से की युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें इस नेत्र अस्पताल को देखकर आया हूं। एक प्रकार से यह आध्यात्मिक और आधुनिकता का संगम है। यहां बड़ी संख्या में गरीबों को इलाज मिलेगा। यह अस्पताल यहां के युवाओं के लिए भी नए अवसर लेकर आया है।

यहां के अनेकों लोगों को काम मिलेगा। यहां मेडिकल छात्रा इंटर्नशिप और प्रैक्टिस कर पाएंगे. सपोर्ट स्टाफ के रूप में भी यहां के अनेकों लोगों को काम मिलेगा उन्होंने कहा, इस पावन महीने में काशी आना एक पुण्य अनुभूति का अवसर होता है. यहां अपने काशीवासी तो हैं ही, संतजनों और परोपकारियों का भी संग है. इससे सुखद संयोग और क्या हो सकता है. अभी मुझे परम पूज्य शंकराचार्य जी के दर्शन का, प्रसाद पाने का और आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भविष्य में एक लाख युवाओं को राजनीति का हिस्सा बनाया जाएगा।

युवाओं से आह्वान किया कि इसके लिए वे आगे आएं और देश की तरक्की का हिस्सा बनें। भाजपा जो कहती है वह डंके के चोट पर करती है। अयोध्या में राम मंदिर का सपना भाजपा ने ही पूरा किया। महिलाओं को विधान और लोकसभा में आरक्षण की बात कही गई थी, जिसे हमने ही पूरा किया। कहा कि भाजपा सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को सम्मान दिलाया। तीन तलाक के नाम पर वे न जानें कितने वर्षों से प्रताड़ित थीं। अंधकारमय जिंदगी जी रही थीं। भाजपा सरकार ने महिलाओं को सिर ऊंचा कर चलने की हिम्मत दी है।

## झारखंड में अकेले चुनाव लड़े, तो भी इंडिया गठबंधन को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे : राजद

**रांची, 20 अक्टूबर।** झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए झामुमो और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर हुए समझौते पर निराशा व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रविवार को कहा कि 12 से कम सीट उसे स्वीकार्य नहीं होगा और अगर अकेले चुनावी मैदान में उतरना पड़ा, तो उस स्थिति में भी वह इंडिया गठबंधन को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों ने इंडिया गठबंधन बनाया है, जिसमें कांग्रेस, राजद और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) भी घटक हैं।

झामुमो और कांग्रेस ने शनिवार को घोषणा की कि दोनों

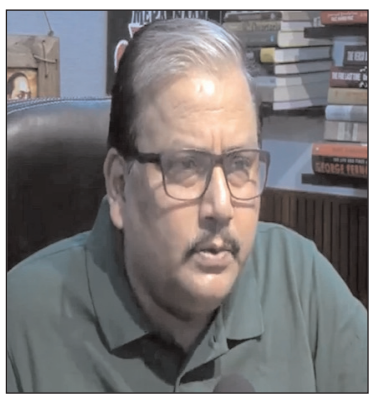

दल राज्य की 81 विधानसभा सीट में से 70 पर चुनाव लड़ेंगे। राजद प्रवक्ता मनोज कुमार झा ने कहा, 12-13 सीट से कम हमें स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि राजद की 18-20 सीट पर मजबूत पकड़ है। अगर हमें तीन-चार सीट पर चुनाव लड़ने के लिए कहा जाता है, तो हम कोई त्याग करने के लिए तैयार नहीं हैं।

उन्होंने कहा, हमारा एकमात्र उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)को हराना है, हम इंडिया गठबंधन को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। राज्यसभा सदस्य झा ने कहा कि यदि पार्टी अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय भी लेती है, तो भी वह 60-62 सीट पर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को अपना समर्थन देगी। राजद ने 2019 के विधानसभा चुनाव में सात सीट पर चुनाव लड़ा था और एक सीट पर जीत हासिल की थी। पार्टी के विधायक सत्यानंद भोक्ता हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में मंत्री हैं।

## भाजपा ने जारी की अपनी पहली सूची, अपने गढ़ से चुनाव लड़ेंगे देवेन्द्र फडणवीस

**मुंबई, 20 अक्टूबर।** महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को अपनी पहली सूची जारी कर दी है, जिसमें 99 उम्मीदवारों के नाम शामिल है। पार्टी ने राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को उनके गढ़ नागपुर दक्षिण-पश्चिम से टिकट दी है। इसके अलावा पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा ने राज्य सरकार में मंत्री सुधीर मुनगंटीवार को बल्लारपुर और पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण को नांदेड़ जिले की भोकर विधानसभा सीट से टिकट दिया है।

सूची में मुंबई भाजपा अध्यक्ष

आशीष सेलार का नाम भी शामिल है, जिन्हें वांद्रे पश्चिम सीट से मैदान में उतारा गया है, और पार्टी के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद नारायण राणे के बेटे नितेश राणे को कंकावली से मैदान में उतारा गया है, जिस सीट से वे वर्तमान में विधानसभा में प्रतिनिधित्व करते हैं।

अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में वंद्रे पश्चिम से मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार, कंकावली से नितेश राणे, जामनेर से गिरीश महाजन, बल्लारपुर से सुधीर मुनगंटीवार, मालाबार हिल से मंगल प्रभात लोढ़ा, कोलाबा से राहुल नार्वेकर और सतारा से छत्रपति शिवाजी के वंशज छत्रपति शिवेंद्र राजे भोसले शामिल हैं। बता दें, 16 अक्टूबर को हुई पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगायी गयी थी। महाराष्ट्र में फिलहाल महायुति गठबंधन की सरकार है, जिसके मुखिया शिवसेना के एकनाथ शिंदे हैं। इस सत्ताधारी गठबंधन में शिवसेना के अलावा भाजपा और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल है। बता दें, महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा है, जिनके लिए एक चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

साल 2019 के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद महाराष्ट्र की राजनीति बिल्कुल बदल गई है। साल 2019 का विधानसभा चुनाव भाजपा और अविभाजित शिवसेना ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के बैनर तले साथ मिलकर लड़ा था। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 165 सीट पर उम्मीदवार उतारे थे और वह 105 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। शिवसेना ने 126 सीट पर चुनाव लड़ा था और उसे 56 पर जीत मिली थी। दूसरी तरफ, कांग्रेस ने 147 सीट पर उम्मीदवार उतारे थे और उसे 44 सीट पर जीत मिली थी, जबकि राकांपा को 121 में से 54 सीट पर जीत हासिल हुई थी।

## भैंस चराने के विवाद में चली गोली, युवक के पैर में लगी गोली

**जौनपुर,(उत्तरशक्ति)।** जिले के सिकरारा थाना क्षेत्र के समसपुर खपरहां गांव में रविवार को भैंस चराने के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस घटना में सूरज चौबे (24 वर्ष), पुत्र अमृस चौबे, को गोली मार दी गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच भैंस चराने को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने गुस्से में आकर गोली चला दी।जिससे सूरज चौबे के कमर में गोली लगी और वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद लोग और परिजन सूरज को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। फिलहाल, सूरज की स्थिति अब बेहतर बताई जा रही है। इस मामले को लेकर पुलिस भी सक्रिय हो गई है। क्षेत्राधिकारी (सदर) प्रमानन्द कुशवाहा ने बताया कि पीड़ित सूरज के पिता, अमृस चौबे, की तहरीर पर तत्काल कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इसके साथ ही अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। जल्द ही बाकी आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना ने गांव में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस बल को गांव में तैनात किया गया है ताकि स्थिति को नियंत्रित रखा जा सके और कोई अन्य अप्रिय घटना न हो।

## विवाहितों ने किए सोलह श्रृंगार, चांद को अर्घ्य दे खोला व्रत, पति ने दिए उपहार

### दिनभर निर्जल निराहार रही महिलाएं

**वाराणसी।** करवा चौथ का व्रत रविवार को धूमधाम से मनाया गया। सुहागन स्त्रियां पति की लंबी आयु और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए निर्जला व्रत रखा। पत्नी अपने पति की लंबी आयु के लिए करवा चौथ का व्रत रखती हैं। हर साल सुहागिन महिलाओं को करवा चौथ के पर्व का बेहद इंतजार रहता है। इस शुभ तिथि पर महिलाएं पति की लंबी उम्र और वैवाहिक जीवन को खुशहाल बनाए रखने के लिए करवा माता की विशेष पूजा-अर्चना करती हैं।

करवा चौथ पर्व पर चंद्रमा के दर्शन बहुत अच्छे से हुए. आसमान साफ था तो चमकते हुए चांद की सुहागिनों ने अर्घ्य देकर पूजा की. इसके पूजन के बाद पति के हाथों से जल पीकर

अपना व्रत तोड़ा. मंदिरों में और घरों की छतों पर सुहागिनों ने चंद्र दर्शन किए. दरअसल, करवा चौथ पर महिलाएं कठिन व्रत रखती हैं. इस दौरान अन्न जल नहीं लेती हैं. हालांकि पूजा पूरी होने के बाद पहले मिठाई खाकर भोजन की शुरूआत करती हैं. इस मौके पर पूजा की थाली एक-दूसरे को देकर, सुहाग की बिंदी, चूड़ी आदि देकर एक-दूसरे के लिए शुभकामना प्रकट की. उत्सव के इस माहौल में परिवार के साथ सुहागिनों ने भोजन किया.

शाम होते-होते महिलाओं के लिए चांद के दीदार का इंतजार बढ़ गया. रात करीब आठ बजे शिमला में चांद दिखा और इसके बाद महिलाओं ने चंद्रमा को जल अर्पित कर अपना व्रत खोला. दरअसल इस व्रत में महिलाएं बिना पानी पिए और बिना कुछ भोजन लेकर व्रत करतीं हैं और अपने पति की लंबी उम्र, अच्छी सेहत की कामना करती हैं. चंद्रमा की पूजा और दर्शन करने के बाद पति का चेहरा देखती हैं. पति के हाथों से पानी पीकर इस व्रत को पूरा करती हैं. मुरादाबाद में चंद्र देव के दर्शन होने वाले हैं. चंद्रमा की पूजा और दर्शन करने के बाद पति का चेहरा देखती हैं. पति के हाथों से पानी पीकर इस व्रत को पूरा करती हैं.

## दिल्ली में बढ़ते वायु, जल प्रदूषण के लिए भाजपा की गंदी राजनीति जिम्मेदारः सीएम आतिशी

**नयी दिल्ली, 20 अक्टूबर।** दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते वायु और जल प्रदूषण के लिए भाजपा की गंदी राजनीति जिम्मेदार है। सर्दियों की शुरूआत के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता खराब होने लगी है। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों, विशेषकर कालिंदीकुंज में यमुना नदी की सतह पर जहरीले रासायनिक झाग की मोटी परतें देखी गईं।

आतिशी ने आम आदमी पार्टी

(आप) के शासन वाले पंजाब को क्लीन चिट देते हुए दिल्ली में खराब वायु गुणवत्ता के लिए भाजपा शासित हरियाणा में पराली जलाए जाने, डीजल बसों और ईंट भट्ठों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश से गाजियाबाद सीमा पर कौशांबी बस डिपो तक पहुंच रहीं हजारों डीजल बस तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ईंट भट्ठे और क्षेत्र में मौजूद ताप संयंत्र भी दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं।मुख्यमंत्री ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि दिल्ली में यमुना में दिखने वाले झाग इस नदी में छोड़े गए अशोधित औद्योगिक अपशिष्ट जल के कारण हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा बादशाहपुर, मुंगेशपुर और अन्य नालों के माध्यम से प्रतिदिन 165 एमजीडी औद्योगिक अशोधित अपशिष्ट जल यमुना में छोड़ता है, जबकि उत्तर प्रदेश द्वारा 65 एमजीडी दूषित पानी विभिन्न नालों के माध्यम से नदी में छोड़ा जाता है।

# गीता का पहला शब्द, धृष्टराष्ट्र उवाच का क्या रहस्य है!



-आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार

सनातन धर्म और संस्कृति में श्रीमदभगवत गीता का अत्यन्त विशिष्ट महत्त्व है, कारण गीता एक मात्र साक्ष्य है जो महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण के मुखारबिन्द से मोहग्रसित हुये अर्जुन के सभी संदेहों से मुक्त करने हेतु उदभूत हुई है। श्रीमदभगवतगीता का महत्व इसलिए क्योकि गीता का पहला ही शब्द है धृष्टराष्ट्र उवाच अर्थात हस्तिनापुर साम्राज्य के कर्णधार चक्रवर्ती सम्राट राजा धृष्टराष्ट्र जो जन्म से नेत्रहीन है साथ ही अपने आध्यात्मिक ज्ञान विवेक के प्रज्ञाचक्षु को अपनी ममता के वशीभूत कर कुरुवंश का ही हित साधने में पांडवों के साथ अन्याय, अधर्म, अनीति ओर छल प्रपंच पर मुक बने देखते रहे ओर भगवान श्रीकृष्ण के समझाने ओर हड़पे गए पांडवो के राज्य के स्थान पर पाँच गाँव दिये जाने के शांति प्रस्ताव के अंतिम प्रयास को भी ठूकुराने के बाद के निर्मित परिणाम महायुद्ध को स्वीकारने के पश्चात धर्मक्षैत्र कुरुक्षेत्र मै युद्धके लिये कौरवों और पाण्डवोंकी सेनाएँ भयानक अस्त्र-शास्त्रों से सुसज्जित होकर खड़ी थीं। तब धृष्टराष्ट्र प्रश्न करता है, हे संजय- धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सञ्जय ।।' जब भी में गीता पाठ करता हूँ तब शुरूआत का यह प्रश्न मेरे मस्तिष्क को झकझोरता है, क्या कारण है की महर्षि वेदव्यास जी ने महाभारत में समाहित श्रीमद भागवत गीता के ज्ञानामृत के प्रथम अध्याय के प्रथम श्लोक में हस्तिनापुर के अंधे राजा के अंधे प्रश्न से ही इसकी शुरूआत क्यो की है।

मानव इतिहास की सबसे महान दार्शनिक तथा धार्मिक वार्ता का शुभारंभ महाभारत जैसे भीषण महायुद्ध से पूर्व घटित हुई जिसमें भगवान श्रीकृष्ण अपने परम सखा ,भक्त अर्जुन को भगवतगीता का उपदेश दे रहे है जिसका पहला ही शब्द धृष्टराष्ट्र बोला यानि धृष्टराष्ट्र ने प्रश्न किया? हे संजय- धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सञ्जय ।।' इस प्रश्न के सम्बन्ध में प्रश्न उपस्थित होता है कि जब धृतराष्ट्र की अन्तः प्रेरणा से ही कोरव युद्ध में प्रवृत्त हुए थे. ओर जानते थे कि कुरुक्षेत्र में जाकर वे युद्ध करेंगे तो फिर जानते हुए भी धृतराष्ट्र ने- किमकुर्वत ये प्रश्न क्यों किया? यही प्रश्न गीता पाठ करने वाले प्रत्येक सुधिजन का हो सकता है। सामान्य दृष्टि से विचार किया जा सकता है कि ₹किमकुर्वत₹ का अभिप्राय युक्तिसंगत प्रतीत होता है कि ₹धृतराष्ट्र ने सञ्जय से पूछा कि मोर्चाबन्दी होने के बाद युद्ध कैसे शुरू हुआ , किसकी ओर से प्रहार आरम्भ हुआ, जिसमें कितनी उत्तेजना थी, किस बीर में कितना उत्साह था ? कौरव सेनापति भीष्म का कैसा रुख था₹ ? राजनीतिज्ञ घृतराष्ट इन परिस्थितियों को जानने के बाद जय पराजय का अनुमान लगाने को उत्सुक था। यदि अन्तदृष्टि से विचार किया जाता है तो उक्त प्रश्न के सम्बन्ध में हम निर्णय पर पहुंचते हैं कि किमकुर्वत ये अक्षर क्षोम के सूचक हैं। यही क्षोभ कौरवों के पराजय का घोतक है। धृतराष्ट्र जानता था कि यह राजसिंहासन उसके चचेरे भाई पांडु का है जिसकी अल्पायु में मृत्यु हो जाने पर उस राज को उसके पांचों पुत्रो के वयस्क हो जाने पर उन्हे यह सिंहासन उन्हे लौटना है किन्तु वह अपने पुत्र दुर्योधन के साथ मिलकर उनकी हत्या करने के षड्यंत्र में शामिल रहा ताकि राज्य के उत्तराधिकारी कि मौत के बाद वह राज कर सके। राष्ट्र के कर्णधार धृतराष्ट्र की परिस्थिति कुछ और ही थी। वे जानते थे कि मेरे पुत्र धर्म-दृष्टि से युद्ध में प्रवृत्त नहीं हो रहे, जबकि पांडवपुत्र भगवान श्रीकृष्ण कि छत्रसाया में धर्म में ही प्रवृत्त है। जो धर्म के साथ है तथा धार्मिक है उसके हृदय में कभी ₹क्या हुआ, क्या किया, क्या होगा₹ ऐसे संदिग्ध भावों को आश्रय नहीं मिलता। उसका तो एक- मात्र - ₹यदि जीत गए तो न्यायप्राप्त सत्ता का उपभोग करेंगे, मारे गए तो अभ्युदय के अधिकारी बनेंगे₹ यही लक्ष्य रहता है। धृतराष्ट्र यह भी जानते थे कि कुरुक्षेत्र एक धर्मभूमि है, पवित्र भूमि है, देवभूमि है। इस भूमि में धाम्मिक योद्धाओं को ही विजयश्री मिल सकती है। बस इन्हीं सब कारणों से धृतराष्ट्र का हृदय भावी परिणाम से क्षुब्ध था। क्षुब्ध मनुष्य के मुख से ही ₹अरे बतलाओ क्या किया, क्या होगा, कौन जीतेगा ऐसे अक्षर निकला करते हैं। साथ ही में यह भी निश्चित बात है कि जिसके हृदय में आरंभ से ही ऐसा क्षोभ खड़ा हो जाता है, यह कभी विजयधी लाभ नहीं कर सकता। उसकी पराजय अवश्यम्भावी है। इसी पराजय को सूचित करने के लिए महर्षि वेदव्यास ने घृतराष्ट्र के मुख से ₹किमकुर्वतः ये अक्षर कहलवाए हैं। यह युद्धभूमि धर्म क्षैत्र है, यहाँ धर्मात्मा की विजय होगी। पापात्मा कौरवों का क्षय होगा। यही सूचित करने के लिए ₹कुरुक्षेत्रे₹ के साथ ₹धर्मक्षेत्रे₹ का सम्बन्ध किया जाना प्रतीत होता है। ₹युद्ध का क्या परिणाम होगा₹ यह जिज्ञासा उस व्यक्ति के हृदय में विशेष रूप रूप से जागृत रहती है, जो स्वयं तटस्थ रहता हुआ भी युद्ध का बीजारोपण करता है। कौरववंश के सर्वेसर्वा इतिहासप्रसिद्ध वृद्ध घृतराष्ट्र उन्हीं व्यक्तियों में से एक थे। महाभारत समर के अन्तः प्रवर्तक यही थे तो युद्ध के फलाफल की जिज्ञासा ओरों की अपेक्षा इन्हीं में अधिक होनी चाहिए थी। यही बात सूचित करने के लिए इतिहासप्रसिद्ध युद्ध की आरम्भ की भूमिका में व्यासदेव को धृतराष्ट्र उवाच₹ यह कहना पड़ा है। कुरु- राष्ट्र का सारा भार इन्हीं पर था। राष्ट्र के हानि-लाभ के जिम्मेदार यही थे। भला राष्ट्र को धारण करने वाले धृतराष्ट्र के अतिरिक्त ओर किसे युद्ध के भावी परिणाम की विशेष चिन्ता हो सकती थी? इसी चिन्ता से क्षुब्ध बने हुए धृतराष्ट्र व्यासदेव की कृपा से दिव्यदृष्टि प्राप्त, युद्ध-वर्णन के लिए व्यासदेव की ओर से नियत सञ्जय से पूछने लगे कि बतलाओ सञ्जय युद्ध की इक्छा से समवेत मेरे और पाण्डु पुत्रों ने क्या किया? धृतराष्ट्र बुद्धिमान थे. विद्वान थे, वृद्ध थे सबके पूज्य थे। फिर उनमें यह अविद्या आई कैसे? उन्होंने सब कुछ जानते हुए, देखते हुए भी कौरवों को इस अधर्म युद्ध के लिए अनुमति कैसे दे दी ? इसी प्रश्न का समाधान करने के लिए ब्यास जी को ₹मामकाः-पाण्डुपुत्राश्चः₹ यह कहना पड़ा। कलह का मूलमूत्र ₹यह मेरा, यह तेरा यही वाक्य है। ममत्व ही वैभव के नाश का कारण है। हम सांसारिक विषयों के साथ, पुत्र पौत्रदि के साथ जितनी ममता बढ़ाते जायेंगे, उतने ही अधिक मोहपाश में फंसते जायेंगे। घृतराष्ट्र की बुद्धि का व्यामोह इसी ममता ने किया। उसे अपने पुत्रों के प्रति प्रेम राग उत्पन हुआ, इस राग की कृपा से पाण्डुपुत्रों के प्रति द्वेष उत्पन्न हुआ। इसी रागद्वेषजनित आसक्ति ने युद्ध का बीजारोपण किया। यदि यह समझते कि पाण्डव भी मेरे ही हैं, एक ही सूत्र के दो धागे हैं, तो कभी युद्ध का प्रवसर न आता। यदि यह समझते कि न्यायतः दोनों ही कुरुसाम्राज्य के भोक्ता हैं तो कभी कलह का उदय न होता, परन्तु जब इनके हृदय में- ₹ये मेरे हैं, ये पराए हैं₹ यह प्रतिद्वन्द्वीभाव उत्पन्न हुआ तो ऐसी परिस्थिति में द्वन्द्व (युद्ध) होना अनिवार्य था। यही ममता, युद्धानुमति प्रदान कारण बनी। साथ ही में इसी ममता ने घृतराष्ट्र के हृदय में किमकुर्वत इत्यादिलक्षण क्षोभ उत्पन्न किया। यही क्षोभ कौरवों के पराजय का कारण बना ।

# वायनाड से प्रियंका की जीत को भाजपा आसानी से नहीं दे सकती वाक ओवर !



अशोक भाटिया

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन के बाद सबकी नजर इस पर थी कि राहुल गांधी किस सीट से लोकसभा में जाएंगे। राहुल इस बार उत्तर प्रदेश की रायबरेली और केरल की वायनाड संसदीय सीट से चुनाव जीते थे। ऐसे में उन्हें एक सीट छोड़नी थी। राहुल ने वायनाड सीट से इस्तीफा देते हुए रायबरेली सीट से अपनी सांसदी बरकरार रखी। वायनाड से इस्तीफा देने के साथ ही कांग्रेस ने यह भी ऐलान कर दिया कि वायनाड सीट पर होने वाले उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा उम्मीदवार होंगी। प्रियंका अगर वायनाड से चुनाव जीतती हैं तो संसद में गांधी-नेहरू परिवार एक नया कीर्तिमान रच देगा।लंबे इंतजार के बाद साल 2019 में प्रियंका गांधी जब सक्रिय राजनीति में आईं तभी से उनके चुनाव लड़ने को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जाने लगे थे। कभी उनके लिए उत्तर प्रदेश की परंपरागत अमेठी सीट, तो कभी मां सोनिया गांधी की रायबरेली सीट तो कभी वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के दावे किए जाने लगे। लेकिन वह कभी भी चुनावी समर में नहीं उतरीं।

हालांकि अब पार्टी ने प्रियंका गांधी वाड्रा को वायनाड सीट से उपचुनाव में उतारने का ऐलान कर दिया। अब तक खुद को चुनाव प्रचार तक सीमित रखने वाली प्रियंका अब पहली बार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाएंगी। प्रियंका अब अगर अपनी पहली चुनावी बाधा को पार कर लेती हैं तो संसदीय इतिहास में यह ऐतिहासिक क्षण होगा।यदि प्रियंका गांधी वायनाड से लोकसभा उपचुनाव जीत लेती हैं, तो यह पहली बार होगा कि जब गांधी-नेहरू परिवार से मां, बेटा और बेटी एक साथ संसद में होंगे। सोनिया गांधी इस समय राज्यसभा सांसद हैं तो राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं।

हालांकि इससे पहले कई बार इस गांधी-नेहरू परिवार के कम से कम 2 सदस्य एक समय में संसद में रहे हैं। पंडित जवाहर लाल नेहरू के प्रधानमंत्री रहने के दौरान उनके दामाद फिरोज गांधी लोकसभा सांसद रहे थे। फिरोज गांधी पहले 1952 में फिर 1957 में रायबरेली लोकसभा सीट से सांसद चुने गए थे। इस दौरान पीएम नेहरू भी लोकसभा सांसद (फूलपुर सीट) थे। इंदिरा गांधी पहली बार 1964 में राज्यसभा की सदस्य बनने के साथ अपने संसदीय करियर की शुरुआत की थी। जबकि उन्होंने 1967 में पहली बार लोकसभा चुनाव जीता था।

1980 के चुनाव में इंदिरा गांधी सांसद चुनी गईं थी तब उनके बेटे संजय गांधी भी अमेठी सीट से लोकसभा सांसद चुने गए थे। संसद में पहली बार गांधी-नेहरू परिवार से मां-बेटे की जोड़ी सांसद बनी थी। लेकिन कुछ महीने बाद एक विमान हादसे में संजय की मौत हो गई। ऐसे में यहां पर कराए गए उपचुनाव कराया गया। संजय गांधी के बड़े भाई राजीव गांधी ने 1981 में अमेठी सीट पर हुए उपचुनाव में अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत की और लोकसभा पहुंचे। तब इंदिरा गांधी भी लोकसभा सांसद थीं और उनके बेटे भी सांसद चुने गए थे।

फिर साल 2004 में गांधी-नेहरू परिवार से मां-बेटे की जोड़ी फिर से संसद पहुंची। सोनिया गांधी रायबरेली से सांसद चुनी गईं और उनके बेटे राहुल गांधी ने अमेठी से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत करते हुए अपनी पहली चुनावी बाधा पार की।फिरोज और इंदिरा की दूसरी संतान संजय गांधी का परिवार भी लगातार राजनीति में बना हुआ है। संजय की पत्नी मेनका गांधी और उनके बेटे वरुण गांधी की भी जोड़ी भी संसद में 3 बार बनी रही। वरुण गांधी ने अपने चुनावी करियर की शुरूआत 2009 में पीलीभीत सीट से चुनाव जीतकर की। तब आंवला सीट से मेनका गांधी भी सांसद चुनी गई थीं। 2014 में वरुण सुल्तानपुर से सांसद बने तो मां मेनका पीलीभीत से लोकसभा पहुंचीं। 2019 में वरुण पीलीभीत से तीसरी बार सांसद चुने गए तो मेनका ने सुल्तानपुर से जीत हासिल की।

हालांकि 2024 में मेनका कड़े संघर्ष के बाद चुनाव हार गईं जबकि उनके बेटे को बीजेपी ने मैदान में नहीं उतारा था। दूसरी ओर, 2004 से लेकर अब तक सोनिया और राहुल के रूप में मां-बेटे की यह जोड़ी संसद में बनी हुई है। लेकिन इस समय सोनिया लोकसभा की जगह राज्यसभा की सदस्य हैं।अब ठीक 20 साल बाद 2024 में मां-बेटे की यह बेमिसाल जोड़ी एक कदम आगे बढ़ाते हुए अपने साथ एक बेटी को भी शामिल करने जा रही है। अब 19 नवंबर को वायनाड का उपचुनाव होने जा रहा है . कांग्रेस ने प्रियंका की चुनाव लड़ने की विधिवत घोषणा भी कर दी है .

उपचुनाव में अगर प्रियंका जीत हासिल करती हैं तो सोनिया गांधी के परिवार के 3 सदस्य एक साथ संसद में दिखेंगे तो मेनका के परिवार का कोई सदस्य संसद में नहीं दिखेगा।

पर इन सब बातों में एक पेच भी है वायनाड से प्रियंका को उम्मीदवार बना कर कांग्रेस इस जीत को आसान समझ रही है पर भाजपा इतनी आसानी से वाक ओवर भी नहीं देने वाली । भले ही गांधी परिवार का साउथ से भी पुराना रिश्ता रहा है। इंदिरा गांधी 1978 का उपचुनाव कर्नाटक के चिकमगलूर से जीतीं थीं। इसके बाद 1980 में इंदिरा ने आंध्र के मेडक सीट से जीत हासिल की। 1999 में सोनिया गांधी ने भी अपना राजनीतिक करियर दक्षिण से किया था। वे 1999 में अमेठी और कर्नाटक के बेल्लारी सीट से चुनाव लड़ीं थीं और दोनों सीटों पर जीत हासिल की थी। हालांकि, बाद में बेल्लारी सीट उन्होंने छोड़ दी थी

वायनाड से प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने के फैसले के बाद सोशल मीडिया समेत राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई थी कि इस सीट से भाजपा किसे उम्मीदवार बनाएगी। चर्चा ये भी थी कि बीजेपी तेज तर्रार नेता स्मृति ईरानी को वायनाड सीट से उतार सकती है। भले ही स्मृति ईरानी इस बार अमेठी से के एल शर्मा के सामने लोकसभा चुनाव हार गई हों, लेकिन 2019 में वे कांग्रेस के गढ़ अमेठी से राहुल गांधी को हरा चुकी हैं। ऐसे में भाजपा उन्हें इस सीट से उतार कर मुकाबला दिलचस्प बना सकती है।

गौरतलब है कि भाजपा टिकटों को लेकर पहले भी चौंकाने वाले फैसले करते आई है। 1999 में जब सोनिया गांधी के बेल्लारी से डेब्यू करने की बात सामने आई थी, तब बीजेपी ने इस सीट से सुषमा स्वराज को टिकट देकर चुनावी मुकाबले को दिलचस्प बना दिया था। सुषमा ने इस सीट पर सोनिया गांधी को कड़ी टक्कर दी थी। हालांकि, वे इस चुनाव में हार गईं थीं। सोनिया गांधी को 414000 वोट मिले थे। जबकि सुषमा स्वराज ने साढ़े तीन लाख से ज्यादा वोट हासिल किए थे। सोनिया गांधी इस चुनाव में करीब 56000 वोट से चुनाव जीत पाई थीं।

एक चर्चा में माधवी लता का भी नाम आ रहा था । भाजपा की उस पर भी नजर रह थी पर आखिरकार भाजपा ने वायनाड सीट से केरल की तेज तर्रार स्थानीय महिला नेता नव्या हरिदास को अपना प्रत्याशी बनाया है । नव्या हरिदास (39) कोझिकोड कॉरपोरेशन में दो बार पार्षद रह चुकी हैं और बीजेपी की पार्षद दल की नेता हैं । वह बीजेपी महिला मोर्चा की राज्य महासचिव भी हैं. हरिदास के पास केएमसीटी इंजीनियरिंग कॉलेज, कालीकट यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री है. वह 2021 के केरल विधानसभा चुनाव में कोझिकोड दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से बीजेपी की उम्मीदवार थीं, लेकिन कांग्रेस के उम्मीदवार अहमद देवर कोविल से हार गई थीं। जानकर लोगों को कहना है कि नव्या के स्थानीय होने का उसे फायदा भाजपा मिल सकता है ।

नामांकन दाखिल करने के बाद एक टी वी चैनल से खास बातचीत में नव्या हरिदास ने वायनाड क्षेत्र की जरूरतों पर जोर दिया. उन्होंने कहा ?वायनाड के लोगों को प्रगति की जरूरत है. कांग्रेस परिवार वास्तव में वायनाड के लोगों की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर रहा है. इस चुनाव से वायनाड के निवासियों को एक बेहतर सांसद की जरूरत है जो उनकी समस्याओं का समाधान कर सके. साथ ही हरिदास ने स्थानीय समुदाय की चिंताओं को प्राथमिकता देने वाले प्रतिनिधि की आवश्यकता पर जोर दिया । स्थानीय शासन में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, हरिदास ने अपनी सार्वजनिक सेवा के अनुभव को शेयर किया. उन्होंने कहा कि मुझे प्रशासनिक अनुभव है, जैसे कि मैं केरल में दो बार पार्षद के रूप में चुनी गई हूँ. तो पिछले आठ वर्षों से, मैं राजनीतिक क्षेत्र में हूँ, लोगों की सेवा कर रही हूँ, उनकी समस्याओं को समझ रही हूँ और हमेशा उनके साथ खड़ी रही हूँ । भाजपा ने नव्या हरिदास को प्रियंका के सामने मैदान में उतारकर जाता दिया है कि वह प्रियंका को आसानी से वाक ओवर नहीं दे सकती ।

# भागवत बहुत कम बोलते हैं, लेकिन दिन और अवसर का चयन शानदार होता है

सरसंघचालक प्रमुख मोहन भागवत को समय का अद्भुत ज्ञान है। वे बहुत कम बोलते हैं, लेकिन दिन और अवसर का उनका चयन शानदार होता है। उनके शब्दों का चयन भी शानदार है, हालांकि मैंने उन्हें केवल अंग्रेजी अनुवाद में पढ़ा है। कई लोग उनके विचारों से पूरी तरह असहमत हैं और मैं हमेशा असहमत हूं , लेकिन कोई भी इस बात से सहमत नहीं हो सकता कि भागवत के भाषण ध्यान आकर्षित करते हैं, खासकर 2014 के बाद। उनके शब्दों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के आधिकारिक शब्दों के रूप में लिया जाता है। ऐसा संगठन की प्रकृति और संरचना के साथ-साथ सरसंघचालक, प्रमुख के रूप में उनकी स्थिति के कारण है। ऐसा माना जाता है कि आर.एस.एस. में प्रमुख के पास पूर्ण अधिकार होता है। इसलिए, भागवत के भाषणों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और हाल ही में, उन्हें गंभीरता से लिया गया है।

ठंडी हवा : लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के कुछ समय बाद, जून 2024 में, भागवत ने एक भाषण दिया, जिसमें उनका मुख्य उद्बोधन था अहंकार त्यागो, विनम्रता का अभ्यास करो। यह लोकसभा चुनाव के बाद उनका पहला सार्वजनिक संबोधन था और उन्होंने कहा-झूठ और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने वाले चुनावी भाषणों ने उस शालीनता का उल्लंघन किया है जिसका पालन पार्टियों से अपेक्षित है।

आपका प्रतिद्वंद्वी कोई विरोधी नहीं है, वह केवल एक विरोधी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। प्रतिद्वंद्वी की बजाय उन्हें विपक्ष कहें, विपक्ष की राय पर भी विचार किया जाना चाहिए, और एक सच्चा सेवक मयार्दा बनाए रखता है। उसके पास यह कहने का अहंकार नहीं होता कि ह्यमैंने यह काम किया। इस भाषण की व्यापक रूप से व्याख्या पी.एम. मोदी और उनके चुनाव अभियान की ओर इशारा करते हुए की गई। अगला उल्लेखनीय भाषण जुलाई में था जिसमें श्री भागवत ने कहा था कि एक आदमी सुपरमैन बनना चाहता है, फिर देव, और फिर भगवान। यह स्पष्ट रूप से मोदी के इस दावे की अस्वीकृति थी कि उनका जन्म ह्यजैविक रूप से नहीं हुआ था। यदि मोदी ने गभार्धान, गर्भधारण और प्रसव से इंकार किया, तो क्या वे खुद को सृजन कह रहे थे? और क्या भागवत यह संकेत दे रहे थे कि मोदी ने शायद कोई सीमा लांघी है?

शीत लहर : तीसरा भाषण विजयदशमी के दिन, 12 अक्तूबर 2024 को आर.एस.एस. के 100वें वर्ष में प्रवेश करने पर था। मैंने रिपोर्ट किए गए पाठ को अंग्रेजी में पढ़ा है। मुझे निराशा हुई, लेकिन आश्चर्य नहीं हुआ, कि भागवत ने आर.एस.एस. के स्थापित वैचारिक पदों पर वापसी की। उनके भाषण में धर्म, संस्कृति, व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र, शुभता और धार्मिकता की जीत और आत्म-गौरव जैसे शब्द तथा वाक्यांश भरे पड़े थे। उन्होंने हमास और इसराईल के बीच संघर्ष का उल्लेख किया, लेकिन 43,000 मौतों का कोई उल्लेख नहीं किया; जम्मू-कश्मीर में चुनावों का उल्लेख किया, लेकिन नई सरकार को अपनी शुभकामनाएं नहीं दीं और मणिपुर के बारे में उन्होंने केवल इतना कहा कि वह अशांत है। भागवत के भाषण का बाकी हिस्सा ठेठ मोदी-भाषण था। कैसे भारत एक राष्ट्र के रूप में मजबूत हुआ है, कैसे दुनिया हमारे सार्वभौमिक भाईचारे की भावना को स्वीकार कर रही है, और कैसे भारत की छवि, शक्ति, प्रसिद्धि और विश्व मंच पर स्थिति लगातार सुधर रही है। और भी बहुत कुछ था। देश को अस्थिर करने की कोशिशें जोर पकड़ रही हैं, उदार होने का दावा करने वाले देश दूसरे देशों पर हमला करने या उनकी लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को अवैध या हिंसक तरीकों से उखाड़ फैंकने में संकोच नहीं करते, झूठ के आधार पर भारत की छवि को बदनाम करने की जानबूझकर कोशिश करते हैं, आदि।

मोहन भागवत ने इन गंभीर आरोपों का कोई सबूत नहीं दिया। बांग्लादेश का जिक्र करते हुए, वे पूरे जोश में थे और उन्होंने हिंदू समुदाय पर अकारण क्रूर अत्याचार,उ हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यक समुदायों के सिर पर लटकने वाली खतरे की तलवार और ह्यबांग्लादेश से भारत में अवैध घुसपैठ और इसके कारण होने वाले जनसंख्या असंतुलन की ओर इशारा किया। अंत में, मोदी की तरह भाषण देते हुए उन्होंने कहा, ह्यदुनिया भर के हिंदू समुदाय को यह सबक सीखना चाहिए कि असंगठित और कमजोर होना दुष्टों द्वारा अत्याचार को आमंत्रित करने के समान है।

देखने वाले की नजर : विशेष रूप से भाषण में हिंदू शब्द के स्थान पर मुस्लिम शब्द रखें, और ऐसा लगेगा कि वक्ता हर सांप्रदायिक संघर्ष को उचित ठहरा रहा था। भागवत के हर विचार और शब्द का इस्तेमाल भारत में मुसलमानों और दलितों, संयुक्त राज्य अमरीका में अश्वेतों, विश्व युद्ध-पूर्व जर्मनी में यहूदियों, अपने ही देश में फिलिस्तीनियों, बहुसंख्यकों द्वारा भयभीत हर अल्पसंख्यक और हर जगह महिलाओं की दुर्दशा का वर्णन करने के लिए किया जा सकता है। हमलावर कौन है और पीड़ित कौन है, यह देखने वाले की नजर में है। भागवत शहरी नक्सल और टुकड़े-टुकड़े गिरोह को भूल गए।

उन्होंने अरब स्प्रिंग और पड़ोसी बंगलादेश में हाल ही में जो हुआ का उल्लेख किया, और ह्यभारत के चारों ओर इसी तरह के बुरे प्रयासों के खिलाफ चेतावनी दी। मोदी के कथनों और कार्यों को नियंत्रित करने वाला कोई न होने के कारण, वे अपने अधिकार का उपयोग करने, विपक्षी दलों को गाली देने और अपनी नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित महसूस करेंगे, जिसके कारण मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, असमानता, क्रोनी पूंजीवाद, सामाजिक उत्पीड?, सांप्रदायिक संघर्ष और अन्याय हुआ है। मोदी-भाषण और मोदी-कार्यों के लिए खुद को तैयार रखें। -पी. चिदम्बरम

# रबी फसलों के एमएसपी की घोषणा, बाजारी ताकतों पर नियंत्रण जरुरी

देश में 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। आज से लगभग 60 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी।

बुवाई से पहले या बुवाई के समय फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि किसानों को कौन सी फसल लेना लाभकारी रहेगा इस पर सोच विचार कर निर्णय करने का अवसर मिल जाता है। पिछले कुछ सालों से केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ हो या रबी लगभग इनके बुवाई के समय ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी जाती है। इसे सरकार की सकारात्मक पहल भी कहा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छहों फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके। दावों की माने तो लागत की तुलना में सर्वाधिक 105 प्रतिशत अधिक एमएसपी गेहूं की घोषित की गई है, सबसे कम कुसुम की लागत से 50 प्रतिशत अधिक है तो चना और जौ की लागत से 60 फीसदी अधिक घोषित की गई है। सरसों की लागत से 98 फीसदी तो मसूर की 89 प्रतिशत अधिक राशि तय की गई है। निष्कर्ष रुप से यह कहा जा सकता है कि लागत की तुलना में सभी छह फसलों की एमएसपी दरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। एमएसपी की घोषणा करते समय सरकार ने लागत में खाद-बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। ऐसे में लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है।

देश में 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। आज से लगभग 60 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरें में लाया गया। कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। देश में गेहूं, धान आदि 7 अनाज फसलें, 5 दलहनी, 7 तिलहनी, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है।

केन्द्र सरकार द्वारा प्रमुखतः राज्यों में सहकारी संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से एमएसपी की खरीद की जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में सहकारी संस्थाओं का विस्तृत और सीधे काश्तकारों की पहुंच का नेटवर्क है। अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और फिर खरीद के बाद ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से पारदर्शिता आई है। पर सवाल अभी वहीं है कि जब तक बाजार में खासतौर से मण्डियों में एमएसपी फसलों के भाव घोषित एमएसपी दरों के समकक्ष नहीं आते तब तक खरीद जारी रहने से ही काश्तकारों को सही मायने में इस व्यवस्था का फायदा मिल सकता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि पारदर्शी व्यवस्था में भी बिचौलियों ने सेंध लगा ली है और लाख प्रयासों के बावजूद छोटे किसानों को सब तो नहीं पर कुछ काश्तकारों को व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पाता। इसमें व्यवस्था का दोष इस मायने में हैं कि किसान को अपनी तात्कालीक व आवश्यक जरुरतों को पूरा करने के लिए साहूकार पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसे में काश्तकार अपनी फसल काश्तकार के नाम कर उससे अग्रिम राषि ले लेता है और बदले में काश्तकार के दस्तावेज से बिचौलियें लाभ उठा लेते हैं।

यह तो साफ है कि गेहूं और धान की खरीद सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर की जाती रही है और इसका प्रमुख कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरण व्यवस्था के सुचारु संचालन और बाजार पर नियंत्रण रखना रहा है। अन्य फसलों का जहां तक सवाल है देश के अधिकांश प्रदेशों में खाद्यान्नों की खरीद एफसीआई द्वारा राज्यों के मार्केटिंग फैडरेशनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं द्वारा व तिलहनों और दलहनों की खरीद नैफड द्वारा भी इसी व्यवस्था के तहत किया जाता रहा है। एक समय था जब न्यूनतम खरीद आरंभ होते ही मण्डी में भी भावों में तेजी आने लगती थी। पर अब ऐसा नहीं हो रहा है इसके कारण क्या है, इस पर विचार करना।

दरअसल बिचौलियों ने एमएसपी खरीद व्यवस्था में सैंध लगा दी है। किसान से ही खरीद और ऑनलाइन व्यवस्था के बावजूद इस व्यवस्था का लाभ बिचौलिएं अधिक उठाने लगे हैं। सवाल यह है कि केन्द्र व राज्य सरकारें एमएसपी व्यवस्था को फूलप्रुफ बनाना सुनिश्चित कर दे और सरकार द्वारा घोषित एमएसपी से मण्डियों में भाव नीचे जाते ही तत्काल खरीद आंरभ हो जाएं तो निश्चित रुप से अन्नदाता को इस व्यवस्था का पूरा पूरा लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही इस व्यवस्था में जिस तरह से सैंध लगाई गई है उसे रोकने के भी ठोस प्रयास किए जाने आवश्यक है। कहीं ना कहीं एक बार फिर से बाजार व्यवस्था का भी अध्ययन करना होगा। क्यों खरीद बंद होने के कुछ समय बाद ही जिंसों के भाव बढ़ने लगते हैं। हाल ही में गेहूं के भावों में बढ़ोतरी और हर साल एक समय विशेष पर आलू, प्याज, टमाटर के भाव का बढ़ जाना कहीं ना कहीं यह बताता है कि कमोबेस बाजार ताकतें अधिक शक्तिशाली है और वे ही डोमिनेट करती है। इसलिए एक और जहां एमएसपी की खरीद व्यवस्था में सुधार व किसानों को ही वास्तविक लाभ मिले इसके प्रयास करने की आवश्यकता है उसी तरह से बाजार की ताकतों पर भी नजर रखना जरुरी हो जाता है ताकि एक और तो काश्तकार को ठगा महसूस करने से बचाया जा सके और आम नागरिक भी ठगा हुआ महसूस ना कर सके। कहीं ना कहीं बाजार पर सरकार के नियंत्रण की आवश्यकता है नाकि बाजारु ताकतों के हाथ में छोड़ने की। ऐसा होने पर ही सही मायने में एमएसपी व्यवस्था का लाभ मिल सकेगा।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

# आतंकवाद का प्रायोजक है कनाडा

पिछले सितंबर में, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने सनसनीखेज आरोप लगाए थे कि उनकी सरकार ने कनाडा के कट्टरपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों की संलिप्तता के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्राप्त की थी। निज्जर उन भारतीय खालिस्तानी कार्यकत्ताओं में से एक था, जो 1980 के दशक में पंजाब में चरमपंथ पर सरकार की कार्रवाई के मद्देनजर देश छोड़कर भाग गया था। निज्जर की हत्या 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के परिसर में की गई थी। रॉयल कैनेडियन माऊंटेड पुलिस (आर.सी.एम.पी.) ने अपराध में शामिल होने के आरोप में 4 सिख युवकों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। पिछले एक साल में मामले में बहुत अधिक प्रगति नहीं हुई है क्योंकि आर.सी.एम.पी. अदालतों के समक्ष कोई सबूत पेश करने में विफल रही है। हालांकि, आर.सी.एम.पी. अधिकारियों और खुद टूडो ने एक बार फिर भारत की संलिप्तता के बारे में सनसनीखेज दावे करना शुरू कर दिया, इस बार उन्होंने भारत के वरिष्ठ अधिकारियों पर उंगली उठाई।

पिछले हफ्ते वाशिंगटन पोस्ट में एक विस्तृत रिपोर्ट में मोदी सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री का नाम इस घटना में सीधे तौर पर शामिल होने के बारे में बताया गया। यह स्पष्ट है कि टूडो सरकार ने भारत सरकार के बड़े नामों को इस संदिग्ध विवाद में घसीटकर एक अराजनयिक, अगर अशोभनीय नहीं तो अशिष्ट रास्ता चुना। कई लोगों का अनुमान है कि यह उनकी पार्टी की चुनावी संभावनाओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। टूडो सरकार पिछले 9 सालों से सत्ता में है और आज बहुत अलोकप्रिय है। कनाडा की अर्थव्यवस्था बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और भ्रष्टाचार के अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। कनाडाई मीडिया रिपोर्ट कर रहा है कि टूडो की पार्टी जनमत सर्वेक्षणों में कंजर्वेटिव से 10 प्रतिशत से अधिक मतों से पीछे है। भारत पर कनाडाई लोगों के जीवन को खतरे में डालने का आरोप लगाने में लापरवाही बरतने का विकल्प चुनकर,टूडो ने कूटनीतिक सीमा लांघ दी है। अब जब तलवारें खींची जा चुकी हैं, तो भारत को आगे आकर बैल को सींग से पकड़ना चाहिए। जब पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों की बात आती है, तो हम सभी मंचों पर, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय रूप से, इस्लामी आतंकवाद को प्रायोजित करने, उसे पनाह देने और निर्यात करने में उनकी संदिग्ध भूमिका को उजागर करने में मुखर रहे हैं। लेकिन, किसी तरह, हम पश्चिमी शक्तियों के बारे में ऐसी ही बातें कहने से हिचकिचाते हैं क्योंकि हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों जैसे उनके गलत आदर्शवादी बयानों के छद्मवेश से भयभीत हैं। जबकि दुनिया चुपचाप देखती रही, पिछले कुछ दशकों में कनाडा आतंकवाद के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन गया। पाकिस्तान पर इस्लामी आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप है, जबकि कनाडा दशकों से न केवल इस्लामवादियों को बल्कि कई अन्य लोगों को पनाह दे रहा है। दुनिया के लगभग सभी प्रमुख आतंकवादी संगठनों के गुर्गे दशकों से कनाडा के शहरों से स्वतंत्र रूप से काम कर रहे हैं। कथित तौर पर आर्मेनियाई आतंकवादी 1980 के दशक में आए और कनाडा को अपना अपतटीय ठिकाना बना लिया। खालिस्तानियों ने देश में प्रवेश किया और 1985 में एयर इंडिया की उड़ान 182 को बीच हवा में उड़ाने जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त रहे। तमिल टाइगर्स 1980 के दशक के अंत में आए। इसके बाद मध्य पूर्व के आतंकवादी समूह जैसे हमास, हिजबुल्लाह और अन्य फिलिस्तीनी संगठन आए। अंत में, यहां तक कि अल कायदा के गुर्गों ने भी कनाडा को अपने अमरीका विरोधी अभियानों के लिए एक सुरक्षित माध्यम पाया। कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सी.एस.आई.एस.) के पूर्व निदेशक वार्ड एल्कॉक ने 1998 में गवाही दी थी कि दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में यहां अधिक अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी समूह सक्रिय हैं। भारत ही नहीं, कई अन्य देश भी अपनी धरती पर आतंकवादी गतिविधियों के प्रति कनाडा सरकार के उदासीन रवैये के शिकार हुए हैं। कनाडा का सबसे करीबी सांझेदार अमेरिका भी अपने पड़ोस से उत्पन्न होने वाले खतरे से बच नहीं सका।

## हिंदू युवा वाहिनी द्वारा आचार्य पवन त्रिपाठी और शिवपूजन पांडे का सम्मान

**नालासोपारा(उत्तरशक्ति)।** विश्व हिन्दू महासभा से संलग्न हिन्दू युवा वाहिनी द्वारा आज नालासोपारा पूर्व स्थित नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के सभागार में श्री सिद्धी विनायक मंदिर ट्रस्ट के नवनियुक्त कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी तथा महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी राधाकृष्णन के हाथों भारत रत्न डॉ. अंबेडकर अवार्ड 2024 से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे का देवरिया के तीन विधायकों शलभमणि त्रिपाठी, सुरेंद्र चौरसिया तथा डॉ रतनपाल सिंह की उपस्थिति में शॉल, श्रीफल तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। युवा वाहिनी के अमित दुबे एवं प्रदीप मिश्रा कार्यक्रम के मुख्य आयोजक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे ने की। महामंडलेश्वर जितेंद्र महाराज ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर सभी को आशीर्वाद दिया। प्रदेश संयोजक ,हिन्दु युवा वाहिनी महाराष्ट्र पंडित साहब लाल तिवारी, तथा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हिन्दू युवा वाहिनी महाराष्ट्र डॉ पीयूष सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम का सुंदर संचालन महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे ने किया। मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे,पालघर सिलवासा, दमन, दादरा नगर हवेली से आए सैकड़ो की संख्या में प्रबुद्ध वर्ग ने कार्यक्रम में भाग लिया। अंत में अमित दुबे ने उपस्थित समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

## आत्मचिंतन की जरूरत है कि क्या राजनीतिक अलगाव से लोगों का कल्याण प्रभावित होता है: नारायण राणे

**मुंबई।** विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे ने कहा कि समय की मांग है कि आत्मचिंतन किया जाए कि क्या राज्य में खंडित राजनीतिक परिदृश्य लोगों के कल्याण और उनके हितों के अनुकूल है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राणे ने शनिवार को यहां कहा कि विचारधारा और निर्वाचन क्षेत्र में बार-बार बदलाव से राज्य की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है और राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है। राणे ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति को केंद्र में भाजपा के मजबूत नेतृत्व के कारण 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों में बढ़त हासिल है।

उन्होंने यह भी कहा, हमें (सभी को) आत्मचिंतन करने की जरूरत है कि क्या (राजनीतिक) बिखराव लोगों के कल्याण और हितों को प्रभावित करता है। महायुति में भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में जून 2022 में बगावत के बाद शिवसेना विभाजित हो गई थी। इसके बाद शिंदे ने सरकार बनाने के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया। शरद पवार द्वारा स्थापित राकांपा भी पिछले साल तब विभाजित हो गई थी जब अजित पवार और कई अन्य विधायक शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हो गए थे।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के मुद्दे पर राणे ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14 और 15(4) के अनुसार राज्य सरकार को सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण कराने और आरक्षण देने का अधिकार है। उन्होंने कहा, जब मैंने मराठा आरक्षण (समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का अध्ययन करने के लिए) के लिए एक समिति का नेतृत्व किया था, तो इन प्रक्रियाओं का पालन किया गया था, लेकिन यह अदालत में टिक नहीं सका। मराठों के लिए सेज सोयरे (रक्त संबंधी) और कुनबी प्रमाण पत्र की वर्तमान मांगें अदालतों में टिक नहीं पाएंगी। समुदाय की कुल 34 प्रतिशत आबादी में से 16 प्रतिशत गरीब मराठा हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आश्चर्य जताया कि क्या जाति सर्वेक्षण से कोई उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने कहा, भारत विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। सर्वेक्षण से जाति विभाजन बढ़ेगा। मराठवाड़ा में यह पहले ही देखा जा चुका है, जो बहुत दुखद है। समाधान खोजने के लिए सामाजिक सद्भाव की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि सरकार को लोगों की प्रति व्यक्ति आय में सुधार और रोजगार के अवसरों में सुधार के लिए कदम उठाने की जरूरत है ताकि वे महंगाई से निपट सकें। राणे ने 2005 में उद्धव ठाकरे के साथ मतभेदों को लेकर (तत्कालीन अविभाजित) शिवसेना छोड़ दी थी। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों ने दिखा दिया है कि ह्यह्यअसलीह्ल शिवसेना राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ है। उन्होंने दावा किया, ह्यह्यउद्धव ठाकरे मूल शिवसेना को एकजुट नहीं रख सके। (शिवसेना संस्थापक) बालासाहेब ठाकरे के विपरीत, वह कार्यकर्ताओं, नेताओं को एकजुट नहीं रख सके। उद्धव ठाकरे का कोई भविष्य नहीं है।

# मंत्री रविंद्र चव्हाण चौथी बार बीजेपी से नामांकित

**डोंबिवली (उत्तरशक्ति)।** महाराष्ट्र के लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण को विधानसभा चुनाव के लिए महायुति ने चौथी बार उम्मीदवार घोषित किया है। उम्मीदवारी की घोषणा होते ही चव्हाण डोंबिवली में ग्राम देवता गणेश मंदिर गए और गणेश जी के दर्शन किए। इस मौके पर उन्होंने पार्टी नेताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि वह जल्द ही चुनाव प्रचार शुरू करेंगे. कल वे कोंकण में भराड़ी देवी के दर्शन करने जा रहे हैं. रविवार 20 तारीख को डोंबिवली पश्चिम के कुंभारखानपाड़ा स्थित मॉडल स्कूल के हॉल में ग्रामीणों की बैठक में चिंचोलाचा पाड़ा, नवापाड़ा, देवीचा पाड़ा के

### ग्रामीणों ने चव्हाण का समर्थन किया

ग्रामीणों ने सार्वजनिक रूप से मंत्री का समर्थन किया.

इस बैठक में मंत्री चव्हाण ने कहा, मैं आभारी हूं कि पार्टी ने चौथी बार मुझ पर भरोसा दिखाया है. यह जनसेवा का एक और अवसर है। कल्याण ग्रामीण में प्रस्तावित ग्रोथ सेंटर के बारे में बोलते हुए मंत्री चव्हाण ने कहा, इस परियोजना से करीब 50 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा. विकास केंद्र स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा देगा और हजारों परिवारों को आजीविका प्रदान करेगा। उन्होंने डोंबिवली रिंग रोड परियोजना के बारे में भी आश्वासन दिया कि परियोजना से प्रभावित सभी नागरिकों को उचित मुआवजा दिया जाएगा।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने कहा कि चव्हाण दादा के नेतृत्व में डोंबिवली में सड़क, पुल और जलापूर्ति जैसी परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन के कारण लोगों को उन पर बहुत विश्वास है।

इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक जनार्दन म्हात्रे, पूर्व नगरसेवक विकास म्हात्रे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

## महाराष्ट्र में नयी सरकार के गठन का समय निर्धारित करना भाजपा की चाल है: संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा महाराष्ट्र में नयी सरकार के गठन के लिए केवल 48 घंटे का समय निर्धारित किया जाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चाल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार बनाने का दावा करने में असमर्थ हो जाए। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। राज्य में 20 नवंबर को मतदान होना हैं और 23 नवंबर को मतगणना होगी। राज्यसभा सदस्य ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया, अमित शाह के साथ-साथ भाजपा ने यह स्वीकार कर लिया है कि पार्टी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी। ऐसा लगता है कि महा विकास आघाडी को सरकार बनाने के बारे में चर्चा करने और निर्णय लेने के लिए समय समिति करने की रणनीति है। अगर एमवीए के घटक दावा करने में विफल रहते हैं, तो राज्यपाल छह माह के लिये राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करेंगे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा एमवीए को सत्ता में वापस आने से रोकने के लिए यह कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, भारत निर्वाचन आयोजन ने चुनाव कार्यक्रम इस तरह तय किए हैं कि यह एमवीए के प्रभावी रूप से सरकार बनाने के अवसर को सीमित कर देता है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने यह भी कहा कि मतगणना 23 नवंबर को होगी, जिसका मतलब है कि एमवीए के घटक दलों - शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और अन्य छोटे दलों के पास सरकार बनाने के लिए केवल 48 घंटे होंगे। उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है।

## भिवंडी पश्चिम विधानसभा से भाजपा ने महेश चौगुले को बनाया उम्मीदवार, कार्यकताओं ने मनाया जश्न

**आचार्य सूरजपाल यादव**

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** विधानसभा चुनाव 2024 भाजपा की जारी लिस्ट में भिवंडी पश्चिम विधानसभा से महेश चौगुले का नाम आने पर उनके कार्यकताओं ने पटाखे फोडकर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर ढोल ताशे के साथ नाचते हुये खुशियाँ मनाई । बतादें कि 136 भिवंडी पश्चिम विधानसभा सीट से महेश प्रभाकर चौगुले को तीसरी बार टिकट मिलने से उनके व उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गयी । भाजपा द्वारा जारी लिस्ट में महेश चौगुले का नाम आने पर चौगुले अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज चौक जाकर अपने आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्प हार अर्पित कर विजयी जयघोष के नारे लगाये । इस अवसर पर भिवंडी जिलाध्यक्ष हर्षल पाटिल , भिवंडी पश्चिम प्रभारी श्याम अग्रवाल आदि के साथ सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# पुस्तक का विमोचन समारोह संपन्न

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर लेखन व भाषण महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रकाशित किए गए ग्रन्थ मालिका के खंड क्रमांक १८ भाग १ इस खंड का बारीकी से अध्ययन कर विविध विचारों को संकलित किए गए नामदेव साबले की थॉट्स ऑफ आंबेडकर इस पुस्तक का विमोचन समारोह प्रख्यात साहित्यकार और वरिष्ठ नेता अर्जुन डांगले के करकमलों द्वारा मुंबई प्रेस क्लब सभागृह में शुक्रवार की शाम को संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दलित पैंथर के अध्यक्ष एवं नेता सुरेश दादा केदारे ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में दैनिक सार्वभौम राष्ट्र के संपादक प्रो प्रेमरत्न चौकेकर उपस्थित थे।

समारोह का मार्गदर्शन वरिष्ठ पत्रकार और लेखक दिवाकर

शेजवल, वर्कशॉप पत्रिका के संपादक सुनील कदम और साहित्यिक विचारक राजू रोटे ने किया। इस कार्यक्रम का सूत्र संचालन पंकज चालके ने तथा प्रस्तावना नामदेव साबले ने दिया।

कार्यक्रम में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया खोबरागड़े गुट के महाराष्ट अध्यक्ष निर्भवने साहेब, समाज भूषण पुरस्कार विजेता सोना कांबले, दिगंबर वानखेड़े, गुन्हे नोद पत्रिका के संपादक संतोष भालेराव, विद्रोही कवि बबन सरवदे, लेखक अशोक रणदिवे, सामाजिक कार्यकर्ता आत्माराम आह्वाड उपस्थित थे। इसके अलावा एमआईएम नेता विजय शिरसागर, राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी के उपाध्यक्ष मंजप्पा गौड़ा, मुंबई अध्यक्ष सुरेश कुमार बिंद उपाध्यक्ष संजय लांडगे, अजय ठोंबे, प्रदीप गुंजाल, रवींद्र म्हस्के, गौतम गायकवाड़, वेंकटेश गोसाई, राहुल कांबले सागर ठाकुर, गौतम कस्बे, रफीक शेख, समाज भूषण पुरस्कार विजेता एमबी रणदिवे समाज भूषण पुरस्कार विजेता विजय मोरे, समाज भूषण पुरस्कार विजेता उत्तम गायकवाड़, महेंद्र भिंगारदिवे, वकील अनिरुद्ध रोटे, हीरामन खंडागले, शाहिर शंकर खंडागले, शाहिर भोरे, जगन्नाथ कांबले, भाऊसाहेब वरते मिलिंद कांबले, समाज भूषण पुरस्कार विजेता कल्पना सूर्यवंशी युवा रिपब्लिकन मुंबई प्रदेश के अध्यक्ष एडवोकेट कनिष्क साबले, वकील फरदीन शेख, विकास निकालजे, यश शिंदे, सागर जाधव, सुनील नाटेकर, आनंद नाड र, देवांश तपासे अविनाश निकालजे, आदित्य मोरे, अनिल नाटेकर, कैलाश निकालजे ,विकास निकालजे और संजय मगर उपस्थित थे।

## दिव्यांगता अभिशाप नहीं, बदले नजरिया: डॉ मंजू लोढ़ा

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** दिव्यांगता अभिशाप नहीं, उसके प्रति नजरिया बदलने की जरूरत है । श्री पाटन जैन मंडल तथा श्री बाबू अमीचंद पन्नालाल ट्रस्ट द्वारा बीसीए क्लब में आयोजित दिव्यांग बच्चों के साथ दीपावली कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में बोलते हुए वरिष्ठ साहित्यकार तथा समाजसेवी डॉ मंजू मंगलप्रभात लोढ़ा ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चे भी सामान्य बच्चों की तरह हर प्रकार की गतिविधियों में शामिल रहते हैं। केजी मित्तल हॉस्पिटल में कैंसर पीड़ितों के साथ आयोजित दीपावली मिलन समारोह में पहुंची डॉ मंजू लोढ़ा ने कैंसर पीड़ितों को सकारात्मकता के साथ जीवन में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया तथा उनके साथ दीपावली मनाई। उनके द्वारा बनाई गई चीजों के बाजार का उद्घाटन किया।

इसका आयोजन निधि कपूर उन्नति कपूर तथा ईशा कपूर ने श्रीमती रीटा शशि कपूर की याद में किया। यहां पर सभी कैंसर पीड़ित मरीजों को रियायती दर पर कीमो किया जाता है तथा फ्री वैलनेस सेंटर चलाया जाता है। बीसीए में आयोजित दिव्यांग बच्चों को प्रेमीला बेन शाह के सौजन्य से दीपावली के उपहार बांटे गए। डॉ लोढ़ा पिछले 25 वर्षों से इस संस्था के साथ जुड़कर दिव्यांग बच्चों का हौसला बढ़ाती आ रही हैं, जिसकी शुरूआत हिना शाह ने की थी।

**महाराष्ट्र में चुनाव आते ही समाजवादी पार्टी के नेता आर एन यादव कई जिलों की जिम्मेदारी संभालते हुवे धुलिया के दौरे पर है, चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ मुलाकात की और आगामी महाराष्ट्र चुनाव की रणनीति को लेकर चर्चा की गई।**

## रेशमा और रियाज गांगजी के शो ने बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में मचाई धूम, रोनित रॉय और सौंदर्या शर्मा ने बिखेरा जलवा

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** टेलीविजन के मेगास्टार रोनित बोस रॉय और जोशीली सौंदर्या शर्मा ने लिबास के लिए शोस्टॉपर के रूप में रैंप पर जलवा बिखेरा। सौंदर्या ने ह्यमस्तानाह्ल कलेक्शन से एक फूलों से सजी गुलाबी लहंगा पहना, जबकि रोनित ने हाथ से बनाए गए कट दाना वर्क वाले हाथी दांत सफेद बंदगला ट्रेंच कोट में चार चांद लगा दिए।

यह कलेक्शन हर उस चीज का प्रतीक था जो दुल्हन और उनके परिधान से जुड़ा है। कलेक्शन एक सफर था जो शुद्ध सफेद, नरम काले और म्यूट गोल्ड टोन से होकर गुजरा। यह शो एक काव्यात्मक यात्रा की तरह था, जो रूपांतरण और पुनः खोज को दशार्ता है।

बीटीएफडब्ल्यू कलेक्शन के मास्टरपीस जल्द ही लिबास स्टोर्स पर पेडर रोड, मुंबई और दुबई में उपलब्ध होंगे। फिनाले वॉक चर्चा का विषय बन गया जब पिता-पुत्र डिजाइनर जोड़ी रियाज और अमन गांगजी ने रोनित और सौंदर्या के साथ ग्रूवी डांस नंबर पर दिल जीत लिया।

शो का सेट सभी मेहमानों, जिनमें शीर्ष नौकरशाह, व्यापार प्रमुख, औद्योगिक दिग्गज और विभिन्न क्षेत्रों के सोशलाइट्स शामिल थे, द्वारा खूब सराहा गया। वीआईपी लाउंज में अमन गांगजी ने मेहमानों का गर्मजोशी से स्वागत किया और पूरा माहौल म्यूजिक और मस्ती से गूंज उठा। अमन अब रेशमा और रियाज गांगजी द्वारा पिछले 30 वर्षों में बनाए गए कई व्यवसायों को संभालने के लिए तैयार हैं। कुल मिलाकर, यह शाम पिता और पुत्र दोनों द्वारा दर्शाए गए युवाओं की ऊर्जा का अद्भुत प्रदर्शन थी।

## कृष्णा आई सेंटर ने नए कॉन्टूरा विजन लेजर मशीन का अनावरण किया

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** एएसजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के यूनिट कृष्णा आय सेंटर ने आज मरीजों के सेवा के लिए नवीनतम कंटूरा व्हिजन लेजर मशीन का अनावरण किया है। यह मशीन डॉक्टरों को एक ही छत के नीचे सभी नेत्र संबंधी समस्याओं का इलाज करने में मदद करेगी। डॉ. सोनिया और डॉ. गुल ननकानी (संस्थापक निदेशक) कृष्णा आय सेंटर ने बताया कि केंद्र में नेत्र विज्ञान की सभी उप-विशेषज्ञताओं का इलाज किया जाता है, जिसमें मोतियाबिंद, कॉर्निया, ग्लूकोमा, पीडियाट्रिक, रेटिना और स्क्विंट शामिल हैं। इसके अलावा, यहां इनहाउस ऑप्टिकल शोरूम और फामेर्सी भी है।

उन्होंने आगे बताया कि कृष्णा आई सेंटर का उद्देश्य सभी वर्गों के मरीजों को नवीनतम मशीनों के साथ सेवा प्रदान करना है और श्देखना माननाश के मोटो पर खरा उतरना है। इस केंद्र ने भारत और विदेशों से 1 लाख से अधिक मरीजों का इलाज किया है। कृष्णा आई सेंटर प्रीमियम इंट्रा ऑक्युलर लेंस के साथ एडवांस्ड कैटरैक्ट सर्जरी के लिए प्रसिद्ध है। अब यहां कॉन्टूरा टेक्नोलॉजी के साथ नवीनतम लेजर मशीन भी है, जो मुंबई के लोगों को उत्कृष्ट दृष्टि और चश्मे से स्वतंत्रता प्रदान कर सकती है।

कॉन्टूरा सर्जरी के लाभः कॉन्टूरा विजन लेजर मशीन कोर्निया के 22,000 अनोखे बिंदुओं को मैप करती है, जो फिंगरप्रिंट की तरह होते हैं, और एक 3ऊ इमेज बनाती है। लेजर इन बिंदुओं को सिलेक्टिवली

पॉलिश करता है और कोर्निया को स्मूथ करता है, जिससे मरीज को पारंपरिक उपचार की तुलना में बेहतर दृष्टि मिलती है। यह मशीन छोटे और बड़े पॉवर को सेकंडों में हटा सकती है और पूरी प्रक्रिया 10 मिनट में पूरी हो जाती है। रिकवरी समय केवल 24-48 घंटे है।

कंप्यूटर विजन सिंड्रोम (सीवीएस) का इलाजः कृष्णा आई सेंटर में सीवीएस का समग्र प्रबंधन किया जाता है, जो डिजिटल मीडिया के बढ़ते उपयोग के कारण होने वाली समस्या है। भारत में 750 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जो देश की आबादी का 50% से अधिक है। डिजिटल मीडिया का उपयोग करने वाले 70% लोग सीवीएस से पीड़ित होते हैं, जिसके लक्षण हैं सिरदर्द, आंखों का तनाव, थकान, लालिमा, पानी आना आदि।

कृष्णा आई सेंटर में आने वाले मरीजों का सीवीएस के लक्षणों के लिए विस्तार से मूल्य आंखों की लालिमा जैसे बाहरी लक्षणों वाले लोगों के शुष्क आंखों के लिए लिपिव्यू और लिपिफ्लो नामक अत्याधुनिक और सर्वोत्तम मशीनों द्वारा मूल्यांकन किया जाता है। यह मशीन आंसू फिल्म के विभिन्न स्तरों का गहरा विश्लेषण करती है, समस्याओं का पता लगाती है और चिपके हुए ग्रंथियों को साफ करने के लिए गर्मी और दबाव के रूप में प्रभावी उपचार भी देती है। इससे आंखों में अच्छा स्राव होता है। आंसू की गुणवत्ता बढ़ती है। जिन मरीजों में सिरदर्द और आंखों का तनाव जैसे लक्षण होते हैं, उनका मूल्यांकन अभिसरण जैसी समस्याओं के लिए भी किया जाता है।

बायनॉक्स पेटंट सॉफ्टवेयर प्रोग्रामः यह प्रोग्राम व्यायाम के रूप में उपचार देता है। बायनॉक्स का व्यायाम करना आसान और आकर्षक खेल के रूप में होता है, जिसे बच्चे और वयस्क अपने घर या कार्यालय से आराम से कर सकते हैं। यह 10 दिनों का कार्यक्रम है जो स्थायी आराम देता है। इस व्यापक समस्या का प्रबंधन कृष्णा आई सेंटर में अद्वितीय रूप से किया गया है और हजारों मरीजों पर उपचार करने में सफल रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

# प्रधानमंत्री ने वाराणसी को दिया आई हॉस्पिटल की सौगात

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया वाराणसी में अत्याधुनिक आर झुनझुनवाला शंकरा आई हॉस्पिटल का उद्घाटन

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। 20 अक्तूबर को विश्व स्तरीय नेत्र देखभाल उपचार प्रदान करने के प्रयास में प्रमुख निवेशक राकेश झुनझुनवाला परिवार और शंकरा आई फाउंडेशन, यूएसए के सहयोग से भारत के एक अग्रणी नेत्र देखभाल सेवा प्रदाता शंकरा आई हॉस्पिटल ने आज वाराणसी में आर झुनझुनवाला शंकरा सुपर स्पेशियलिटी आई हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कांची कामकोटि पीठम, कांचीपुरम, तमिलनाडु के 70 वें जगद्गुरु पीठाधिपति, जगद्गुरु श्री शंकरा विजयेंद्र सरस्वती स्वामीगल की गरिमामयी उपस्थिति में अस्पताल का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में एस वी बालासुब्रमण्यम, अध्यक्ष, एसईएफआई; पद्म श्री डॉ.आर.वी. रमणी, शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया के संस्थापक एवं प्रबंध ट्रस्टी; मुरली कृष्णमूर्ति, कार्यकारी अध्यक्ष, शंकरा आई फाउंडेशन, यूएसए; श्रीमती रेखा झुनझुनवाला, ट्रस्टी बोर्ड की सदस्य ने भी भाग लिया।वाराणसी का अस्पताल देश में शंकरा का 14वां अस्पताल है और यह सबसे गरीब रोगियों के लिए प्रति वर्ष 30,000 निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा उपलब्ध कराएगा। इस अस्पताल की स्थापना महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके माध्यम से दक्षिण भारत (तमिलनाडु) के प्रसिद्ध कांची कामकोटि मेडिकल ट्रस्ट, जो शंकरा आई हॉस्पिटल का समर्थन करता है। का वाराणसी के अत्यधिक प्रतिष्ठित,ऐतिहासिक–सांस्कृतिक शहर के साथ समामेल हो रहा है। यह विश्व स्तरीय नेत्र देखभाल अस्पताल, जो लगभग 110 करोड़ रुपये के निवेश से तैयार हुआ है।में 30 हजार सर्जरी करने की क्षमता, 9 ऑपरेशन थिएटर और कई अन्य सुविधाएं मौजूद हैं। अपने संचालन की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के साथ–साथ नेत्र देखभाल और उपचार में सबसे गरीब लोगों की मदद करने के लिए अस्पताल एक क्रॉस–सब्सिडी मॉडल (75:25 मॉडल) पर काम करेगा, जिसके तहत भुगतान करने वाले रोगियों (हमारे 25% लाभार्थी 75% लाभार्थियों की निःशुल्क सर्जरी की लागत में आर्थिक रूप से सहायता करेंगे) से प्राप्त आय का इस्तेमाल जरूरतमंदों की सहायता के लिए किया जाएगा।शंकरा आई फाउंडेशन, यूएसए के कार्यकारी अध्यक्ष मुरली कृष्णमूर्ति ने कहा।शंकरा ने ऐसे समय में वाराणसी में एक बड़ा नेत्र अस्पताल स्थापित किया है जब नेत्र देखभाल की लागत बहुत अधिक है। इस अस्पताल से वाराणसी और आसपास के शहरों और गांवों में रहने वाले और उत्तर प्रदेश तथा अन्य पड़ोसी राज्यों के लोग उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल का लाभ उठाने में सक्षम हो पाएंगे। हम अपनी ओर से सभी आवश्यक सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे जिससे शंकरा अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक पहुँच सके।"शंकरा आई फाउंडेशन के संस्थापक एवं प्रबंध ट्रस्टी डॉ. आर.वी. रमणी ने कहा, "पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा संख्या में अंधे लोग भारत में रहते हैं और इनमें से 80% से अधिक मामलों में सफल इलाज संभव है। शंकरा आई हॉस्पिटल की स्थापना सभी को गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखभाल प्रदान करने के लिए की गई थी। हमारा लक्ष्य 2030 तक पूरे भारत में सालाना 5 लाख निःशुल्क सर्जरी करना है। देश भर में स्थित हमारे सभी अस्पतालों की तरह, यह अस्पताल भी अनोखे आर्थिक हाइब्रिड मॉडल पर काम करेगा, जिसके तहत



उन लोगों, जो आँखों के इलाज का खर्च उठा सकते हैं, के संसाधनों का उपयोग कर वाराणसी सहित यूपी के 8 जिलों और साथ ही पड़ोसी राज्यों के आस–पास के गाँवों के गरीबों को सब्सिडी वाली सेवाएँ प्रदान की जाएंगी।"डॉ. एस वी बालासुब्रमण्यम, अध्यक्ष, एसईएफआई ने कहाः "फाउंडेशन का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों तक नेत्र देखभाल की सुविधा पहुँचाना है। हम उत्तर भारत में भी अपना पदचिन्ह बढ़ाना चाहते हैं क्योंकि वहाँ ऐसे गाँवों और शहर हैं जहां नेत्र देखभाल अवसंरचनाओं की आवश्यकता है। जबकि प्रमुख महानगरों में अच्छी सुविधाएँ मौजूद हैं परन्तु परिधीय क्षेत्रों को सहायता और सुविधाओं की आवश्यकता है। ये हमारा एक राष्ट्रीय मिशन भी है। इस प्रकार शंकरा आई फाउंडेशन देश भर के लोगों के लिए नेत्र देखभाल सुलभ बनाकर बदलाव ला रहा है।" श्री कांची कामकोटि मेडिकल ट्रस्ट की बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज श्रीमती रेखा झुनझुनवाला ने कहाः डॉ. आर.वी. रमणी के नेतृत्व में शंकरा आई फाउंडेशन सभी लोगों तक पहुँचने में सफल रहा है। विशेष रूप से देश के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक, और दृष्टि का उपहार पाने में उनकी मदद कर रहा है। वाराणसी का अस्पताल उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की सहायता करने की दिशा में एक और कदम है। हमारा और शंकरा का लक्ष्य एक ही है और इसलिए यह सहयोग आदर्श है क्योंकि यह हाई–टेक नेत्र देखभाल सुनिश्चित करता है।अस्पताल में हाई–टेक और आधुनिक कई स्पेशियलिटीज हैं और यह मोतियाबिंद, कॉर्निया, रेटिना, ग्लूकोमा से संबंधित कई नेत्र रोगों और बाल नेत्र रोगियों का इलाज करेगा एवं ओकुलोप्लास्टी, आई बैंक और कॉर्नियल ट्रांसप्लांटेशन, क्लिनिकल और माइक्रो बायोलॉजिकल लेबोरेटरी, फार्मेसी और ऑप्टिकल की सुविधाएं भी उपलब्ध है।शंकरा आई हॉस्पिटल ने उत्तर प्रदेश के लिए कई बड़ी पहल की योजना बनाई है – जिसमें दृष्टि का उपहार – निःशुल्क नेत्र देखभाल सेवाएँ, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र जांच, रोगियों को बेस अस्पताल तक पहुंचाना और वापस लाना, आवास, अन्वेषण, आईओएल के साथ सर्जरी, भोजन, दवाइयाँ और एक महीने तक फॉलो-अप – सभी गरीबों के लिए निःशुल्क है। रेनबो – स्कूली बच्चों के लिए एक निवारक नेत्र देखभाल कार्यक्रम; नेत्र यज्ञ, वाराणसी जिले के सभी स्कूलों के लिए एक कार्यक्रम शामिल है। अस्पताल चरणबद्ध तरीके से उत्तर प्रदेश के गाजीपुर, मिर्जापुर, चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, एसआर नगर, प्रयागराज जिलों और बाद में झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और बिहार राज्यों में अपनी सेवाएँ शुरू करेगा। भारत भर में, शंकरा ने अब तक 6.7 मिलियन से अधिक रोगियों का इलाज किया है और 2.6 मिलियन से अधिक नेत्र शल्यचिकित्सा की गई हैं। अस्पताल ने कई प्रमुख कार्यक्रमों जैसे कि दृष्टि का उपहार, मैत्री, टेक्नोलॉजी पहल और रेनबो आदि का संचालन किया है। शंकरा आई हॉस्पिटल देश में सुपर स्पेशियलिटी आई केयर अस्पतालों का प्रबंधन करने वाले सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते सामाजिक उद्यमों में से एक है जो तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में स्थित है। यह अस्पताल सुलभता और सामर्थ्य की चिंताओं से निपटकर नेत्र देखभाल के परिदृश्य में क्रांति लाने के लिए समर्पित है। विश्व में मोतियाबिंद के कारण अंधेपन के मामले बढ़ते जा रहे हैं इसलिए शंकरा अनावश्यक दृष्टि दोष को मिटाने के अपने मिशन में दृढ़ बना हुआ है।

शंकरा आई फाउंडेशन के बारे में शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया एक गैर–लाभकारी संगठन है जो समाज के गरीब और वंचित वर्गों को गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 1977 में एक छोटे प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र के रूप में डॉ. आर.वी. रमणी और डॉ राधा रमणी द्वारा इसकी शुरुआत की गई थी। जबकि आज शंकरा 10 से अधिक राज्यों में स्थित 14 सुपर स्पेशियलिटी आई केयर अस्पतालों का प्रबंधन करने वाले सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते सामाजिक उद्यमों में से एक बन गया है। हमारे नेटवर्क अस्पताल उन्नत नेत्र सर्जरी करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं। शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया भारत में नेशनल आई हेल्थ केयर मूवमेंट का नायक है।जो विभिन्न आयु समूहों, अत्याधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण के माध्यम से नेत्र देखभाल वितरण संरचना को लगातार रूपांतरित कर रहा है।

## धारदार हथियार से गला रेत कर 25 वर्षीय अज्ञात युवक की हत्या, क्षेत्र में फैली सनसनी

**डॉ.एस.के.मिश्र ज़िला संवाददाता**

मिजार्मुराद, वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के प्रतापपुर (भिखीपुर) नहर मार्ग के पास खेत के समीप 24 वर्षीय युवक का गला रेतकर फेंका हुआ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस तुरंत हरकत में आई। मौके पर एडीसीपी गोतमी आकाश पटेल, मिजार्मुराद थाना प्रभारी निरीक्षक अजय राज वर्मा समेत पुलिस बल पहुंचा और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि युवक की हत्या धारदार हथियार से की गई है। मृतक का शव भुवालपुर माइनर के समीप मिला है।ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, पुलिस द्वारा घटनास्थल की बैरिकेडिंग कर दी गई है और उच्चाधिकारियों को सूचित किया गया। पुलिस फिलहाल युवक की शिनाख्त में जुटी है। वह काले रंग की जींस और ऑरेंज रंग की टी–शर्ट पहने हुए था और उसकी हल्की दाढ़ी थी। फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात में लगी है और हत्यारों का सुराग लगाने की कोशिश कर रही है।

## आरएसएस ने किया बजरंग नगर में पथ संचलन

चन्दवक,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डोभी क्षेत्र के बजरंग नगर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पथ संचलन हनुमान मंदिर से शुरू होकर डॉ नरसिंह हॉस्पिटल होते हुए और पूरे बाजार का भ्रमण कर वापस मंदिर पर पहुंच कर समाप्त हो गया। पथ संचलन कार्यक्रम अभिषेक शारीरिक शिशण प्रमुख अभिषेक की देख रेख में हुआ। नेतृत्व बौद्धिक शिक्षण प्रमुख मनोज ने किया। इस अवसर पर खंड कार्यकारिणी शैलेन्द्र, भानु, नवनीत, रितेश, विकास, विनोद सिंह आदि अनेक लोग शामिल रहे। चन्दवक थाना प्रभारी बृजेश कुमार गुप्ता एवं बजरंग नगर पुलिस चौकी प्रभारी राजेश राम ने दल बल के साथ पथ संचलन कार्यक्रम में सहयोग किया।

## पूर्व सांसद के जन्मदिन पर शहर भर में जगह–जगह लगी होर्डिंग बनी चर्चा का विषय

**इम्तियाज अहमद ज़िला संवाददाता**

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी नौजवान सभा के संस्थापक और पूर्व सांसद धनंजय सिंह के जन्मदिन के अवसर पर जौनपुर शहर और आस पास जगह–जगह होर्डिंग इस समय चर्चा का विषय बना हुआ। गौरतलब है कि श्री सिंह के जन्मदिन के अवसर पर शहर और आप पास में जगह–जगह लगा 'मसीहा' की बड़ी बड़ी होर्डिंग लोगों ने लगवाया है जो चर्चा का विषय बना हुआ है बैनर और होर्डिंग पर इनकी एक आकर्षक फोटो के साथ लिखा है "जुग जुग जियो मसीहा, जो लोगों में गुफ़्तगू का विषय बना है। बताते चलें कि बीते कुछ समय से धनंजय सिंह का कोई भी बैनर लगता हो तो उसे लेकर चर्चा का विषय ही बन जाता है। इस बैनर को लेकर शहर के लोगों ने भी धनंजय सिंह के विकास कार्यों और मसीहा के रूप में किए गए कार्य को याद किया। जनपद व अन्य जिलों में धनंजय सिंह की समाजसेवी वाली छवि को मसीहा के तौर पर भी देखा जाता है। पूर्व सांसद सिंह के घर के बाहर मदद के लिए आए लोगों की समस्याओं के निस्तारण और राह चलते लोगों के दुःख दर्द को साझा करने की आदत से ही जनता के बीच इतने लोकप्रिय बने हुए हैं। वहीं अब एक नया बैनर शहर की तमाम होर्डिंग्स स्टैंड पर दिख रहा है जिस पर जन सेवा से जुड़ी धनंजय सिंह की तमाम तस्वीरें लगी हुई हैं और ऊपर लिखा है "हम सब की है यही दुआ, जुग जुग जियो मसीहा।

## बरसठी पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त रोहित यादव को किया गिरफ्तार

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। थाना बरसठी पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त रोहित यादव उर्फ गुड्डू यादव को किया गिरफ्तार, पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा चलाये जा रहे अभियान अपराध एवं अपराधियों एवं वाँछित/ वारण्टियों तथा शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के पर्यवेक्षण एवं दिशा झ निर्देशन मे प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव मय हमराह देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन के दौरान मुखबीर खास की सूचना पर वांछित अभियुक्त रोहित यादव उर्फ गुड्डू यादव पुत्र प्रेम सागर यादव निवासी ग्राम चमरहा थाना बरसठी जनपद जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष को मु0अ0सं0 277/24 धारा 115(2),140(1),191(2),103(1),238(क),3(5) बी0एन0एस0 मे हत्या के मामले मे गहली कठार मोड़ के पास से गिरफ्तार कर अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवण– रोहित यादव उर्फ गुड्डू यादव पुत्र प्रेम सागर यादव निवासी ग्राम चमरहा थाना बरसठी जनपद जौनपुर। अभियुक्त का अपराधिक इतिहास झमु0अ0सं0 277/24 धारा 115(2), 140(1),191(2),103(1),238(क),3(5) बी0एन0एस0 थाना बरसठी जौनपुर 2.मु0अ0स0 12/21 धारा 323,394,411, 427,504,506 भा0द0वि थाना मुगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर 3.मु0अ0स0115/21 धारा 3(1) गैगस्टर एक्ट थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर।

## अनियंत्रित बाइक ट्रैक्टर ट्राली से टकराई, दादा–पौत्र की मौत

**पुत्रवधु की हालत गंभीर**

**पूजा गुप्ता संवाददाता**

मिजार्पुर,(उत्तरशक्ति)। मड़िहान थाना क्षेत्र के वन रेंज आफिस के पास रविवार की सुबह शव लेकर जा रहे ट्रैक्टर ट्राली में असंतुलित बाइक पीछे से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार दादा, पौत्र की मौत हो गयी। साथ में बैठी पुत्रबधू गंभीर रूप से घायल हो गयी। स्थानीय लोगों के सहयोग से घायल की इलाज के लिए सीएचसी मड़िहान पहुँचाया गया। मटिहानी गांव निवासी मुख्तार 50 अपने पौत्र बाबू 5 व बहु रुबीना को बाइक से कोतवाली देहात क्षेत्र के शाहपुरबर्जी गांव रिश्तेदार के यहाँ निमंत्रण में जा रहे थे। मड़िहान थाना क्षेत्र के वन रेंज आफिस के पास ट्रैक्टर–ट्राली में टकरा गये। हादसे में दादा व पौत्र की मौत हो गई। घटना के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

## लाहौर में दुल्हन और जौनपुर में दूल्हा

### जनपद में बीजेपी नेता के बेटे ने ऑनलाइन किया पाकिस्तानी लड़की से निकाह

**रियाजुल हक संवाददाता,** जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जनपद जिले में एक अनोखी शादी हुई,यहां एक बीजेपी नेता के बेटे ने पाकिस्तानी लड़की से 'ऑनलाइन' निकाह किया. दरअसल जौनपुर में बीजेपी पार्षद तहसीन शाहिद ने अपने बड़े बेटे की शादी लाहौर में तय की थी।लेकिन वीजा नहीं मिल पाया. इसलिए दोनों की शादी ऑनलाइन कराई गई।खबर के मुताबिक, जौनपुर नगर निगम के बीजेपी पार्षद तहसीलन शाहिद ने अपने बड़े बेटे मोहम्मद अब्बास हैदर की शादी पाकिस्तान में तय की थी। लड़की का नाम अंदलीप जहरा है और वो लाहौर की रहने वाली है। हमने वीजा के लिए भी आवेदन किया था। लेकिन दोनों देशों के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव के कारण दूल्हे को वीजा नहीं मिल सका।दुल्हन की मां हो गई थी बीमार  इस बीच दुल्हन की मां राणा यास्मीन जैदी बीमार पड़ गई और उन्हें पाकिस्तान में ही आईसीयू में भर्ती कराया गया। इससे हालात और बिगड़ गए। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए शाहिद ने शादी समारोह ऑनलाइन आयोजित करने का फैसला किया।जौनपुर में बाराती और लाहौर में दुल्हन शुक्रवार की रात शाहिद 'बारातियों' के साथ एक इमामबाड़े में इकट्ठे हुए और ऑनलाइन 'निकाह' में भाग लिया।दुल्हन के परिवार ने लाहौर से समारोह में हिस्सा लिया। शिया धार्मिक नेता मौलाना महफूजुल हसन खान ने बताया कि इस्लाम में 'निकाह' के लिए महिला की सहमति जरूरी है और वह इसे मौलाना को बताती है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन 'निकाह' तब संभव है जब दोनों पक्षों के मौलाना एक साथ समारोह आयोजित कर सकें। दूल्हे को दुल्हन की वापसी का इंतजार  हैदर ने उम्मीद जताई कि उसकी पत्नी को बिना किसी परेशानी के भारतीय वीजा मिल जाएगा। बीजेपी पार्षद की शादी में एमएलसी ब्रिजेश सिंह प्रिशू और अन्य नेता शामिल हुए। उन्होंने दूल्हे के परिवार को बधाई भी दीं।

## पुरानी बाजार का ऐतिहासिक भरत मिलाप हर्षोल्लास सम्पन्न

**रवि विश्वकर्मा संवाददाता**

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। नगर के पुरानी बाजार का ऐतिहासिक भरत मिलाप बीती रात हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ जिसके मुख्य अतिथि भाजपा नेता/समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह रहे। भरत मिलाप का इस बार 103वां वर्ष रहा जहां उद्घाटन श्री सिंह ने फीता काटते हुये मयार्दा पुरूषोत्तम के रूप में बैठे पात्रों के समक्ष दीप—धूप दिखाकर किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष उमेश चन्द्र गुप्ता ने आये समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुये सम्मारित किया। अतिथियों में बृजेश सिंह विधान परिषद सदस्य, सुनील यादव करंजाकला ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि, प्रो. आरएन त्रिपाठी सदस्य उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज, नगर पालिका जौनपुर अध्यक्ष के प्रतिनिधि डा. रामसूरत मौर्य, महामंत्री विवेक साहू, कोषाध्यक्ष रतन साहू आदि रहे।

कोतवाली चौराहा हनुमान मंदिर से लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न का मिलाप पुरानी बाजार में देखकर श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गयीं। वहीं जय श्रीराम के नारे से पूरा पुरानी बाजार गूंज उठा। भरत मिलाप के मेले में चार चांद लगाने के लिये वाराणसी से चलकर जौनपुर पुरानी बाजार लाग एवं एक से बढ़कर एक झांकियां सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ से आकर मेले का आकर्षण का केंद्र बनी रही। कार्यक्रम का संचालन राजदेव यादव ने किया। अन्त में चेयरमैन प्रतिनिधि डा. राम सूरत मौर्य ने समस्त आगंतुकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

## जलालपुर पुलिस द्वारा 11 बोरी नकली नमक, सरसों का तेल, चाय के साथ दो अभियुक्त गिरफ़्तार

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जलालपुर पुलिस द्वारा 11 बोरी नकली नमक प्रत्येक बोरी मे 50 ङऋकुल 550 पैकेट व टाटा प्रिमियम टी 200 ग्राम का भरा हुआ 51



पैकेट नकली व सरसो का तेल पतंजली कच्ची घानी कुल 119 बोतल (एक लीटर) नकली बेचते हुए 2 लोग दबोचे गए जौनपुर जलालपुर चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन वांछित अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्र में मामूर होकर मनीष गुप्ता पुत्र कन्हैया गुप्ता पता कमरा नं0 7 शान्ति नगर दशवन्त चाल का जुबाडा थाना तुलीज नालासोपारा पालघर मुम्बई वर्तमान नियुक्ति पद M/S Tata consumer products Limited के साथ अभियुक्तगण 1.धीरेन्द्र कुमार पटेल पुत्र श्याम शंकर पटेल निवासी मेघपुर पूरेव थाना जलालपुर जौनपुर व 2.कल्लू गुप्ता बेनी प्रसाद गुप्ता निवासी प्रधानपुर थाना जलालपुर जौनपुर के पास से 11 बोरी नकली नमक प्रत्येक बोरी मे 50 ङऋकुल 550 पैकेट व टाटा प्रिमियम टी 200 ग्राम का भरा हुआ 51 पैकेट नकली व एक लीटर सरसो का तेल पतंजली कच्ची घानी कुल 119 बोतल नकली बेचते हुए बरामद किये। जिनको कारण गिरफ्तारी बताकर पुलिस हिरासत में लिया गया एवं अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

गिरफ्तार व्यक्ति 1.धीरेन्द्र कुमार पटेल पुत्र श्याम शंकर पटेल निवासी मेघपुर पूरेव थाना जलालपुर जौनपुर। 2.कल्लू गुप्ता बेनी प्रसाद गुप्ता निवासी प्रधानपुर थाना जलालपुर जौनपुर। बरामदगी 1.नकली 11 बोरी नमक प्रत्येक बोरी मे 50 किलो कुल 550 पैकेट 2.नकली टाटा प्रिमियम टी 200 ग्राम का भरा हुआ 51 पैकेट 3.नकली एक लीटर सरसो का तेल पतंजली कच्ची घानी कुल 119 बोतल बरामद हुआ।

## नमक से हो रही है हर साल 18 लाख लोगों की मौत, WHO की रिपोर्ट से दुनिया परेशान

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मुताबिक, रोजाना खाने में 5 ग्राम नमक का सेवन करना जरूरी होता है।5 ग्राम नमक में लगभग 2 ग्राम सोडियम होता है। जो एक चम्मच के बराबर है।हालांकि, लोग सिर्फ 5 ग्राम नमक नहीं खाते बल्कि इसका डबल इस्तेमाल करते हैं. WHO की ही रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर लोग औसतन 11 ग्राम नमक हर रोज खाते हैं।इसकी वजह से हृदय रोग, गैस्ट्रिक कैंसर, ऑस्टियोपोरोसिस, मोटापा और किडनी की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।वहीं नमक से हर साल होने वाली मौतों की बात करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि हर साल दुनिया भर में नमक की वजह से लगभग 18.9 लाख लोगों की मौत होती है।इन मौतों में नमक की भूमिका सीधे तौर पर नहीं होती. बल्कि जिन बीमारियों से लोगों की मौत होती है।उनके होने और बढ़ने में नमक की भूमिका होती है. यही वजह है कि हेल्थ एक्सपर्ट्स हमेशा सलाह देते हैं कि नमक कम से कम इस्तेमाल करना चाहिए. इस तरह की सलाह लोगों को चीनी के लिए भी दी जाती है।

## बदलापुर पुलिस द्वारा लूट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बदलापुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना बदलापुर पुलिस द्वारा लूट के वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार, एक देशी व एक जिंदा कारतूस .315 बोर व लूट का 3750 रू0 बरामद–डॉ0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों/वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में शैलेन्द्र कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक(ग्रामीण) के दिशा निर्देशन व सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी बदलापुर, आयुष श्रीवास्तव के कुशल पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक बदलापुर विनोद कुमार मिश्र के कुशल संचालन मे विशेष अभियान चलाकर थाना बदलापुर की पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त हर्षित सिंह पुत्र अजय सिंह निवासी कठार थाना बदलापुर जौनपुर उम्र करीब 26 वर्ष के कब्जे से एक देशी तमंचा .315 बोर व एक जिंदा कारतूस .315 बोर व लूट के 3750 रू0 बरामद कर कारण गिरफ्तारी बताते हुए दिनांक 20.10.24 को नेवादा मुखलिसपुर अण्डर पास के पास से हिरासत पुलिस में लिया गया । अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय के प्रेषित किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त– हर्षित सिंह पुत्र अजय सिंह निवासी कठार थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। बरामदगी का विवरण झ एक देशी तमंचा .315 बोर व एक जिंदा कारतूस .315 बोर व लूट के 3750 रू0। सम्बन्धित मुकदमा– मु0अ0सं0 405/24 धारा 309 (4)/ 317(2) इठर तथा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। आपराधिक इतिहास– मु0अ0सं0 323/22 धारा 323/504/506 भादवि थाना बदलापुर जनपद जौनपुर 2. मु0अ0सं0 370/23 धारा 323/427/506 भादवि थाना बदलापुर जनपद जौनपुर 3. मु0अ0सं0 175/24 धारा 147, 308, 323, 325, 341, 506 भादवि थाना बदलापुर जनपद जौनपुर।

## डीडीएलजे का पोस्टर साझा कर काजोल ने दी करवा चौथ की शुभकामनाएं

काजोल और शाहरुख खान की फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को रिलीज हुए 29 वर्ष हो गए। रविवार को अभिनेत्री काजोल ने इसकी 29वीं रिलीज वर्षगांठ मनाई, जो करवा चौथ के त्यौहार के साथ मेल खाती है। इस फिल्म में काजोल ने सिमरन और शाहरुख ने राज की भूमिका निभाई है। आज ही के दिन 20 अक्टूबर, 1995 को दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। अभिनेत्री काजोल ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर साझा किया और करवा चौथ का त्योहार मनाने वालों को शुभकामनाएं दी। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में अभिनेत्री ने दर्शकों से मुंबई के प्रतिष्ठित मराठा मंदिर सिनेमा हॉल में फिल्म देखने के लिए भी कहा, जहां यह लगातार 1,200 से अधिक हफ्तों से चल रही है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, करवा चौथ की ओजी को 29 साल हो गए। सभी को बहुत भूखे और सफल करवा चौथ की शुभकामनाएं। इसमें 0 कैलोरी है। डीडीएलजे के 29 साल। यह फिल्म जाहिर तौर पर करवा चौथ की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रमुख हिंदी फिल्मों में से एक थी, जिस दिन कई हिंदू महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। यह फिल्म 2025 में अपनी रिलीज के 30 साल पूरे करेगी। काजोल के वर्क फ्रंट की बात की जाए तो वह कृति सेनन और शहीर शेख अभिनीत दो पत्ती में दिखाई देंगी। फिल्म में कृति सेनन दोहरी भूमिका में हैं, जबकि काजोल पहली बार एक सख्त पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। कृति ने अपने बैनर ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स के तहत दो पत्ती के साथ बतौर निमार्ता डेब्यू किया है। यह फिल्म 25 अक्टूबर से स्ट्रीम होगी।

## कड़कती बिजली और बारिश के बीच हाथों में छाता लेकर शान ने गाया गाना

मशहूर गायक शान ने हाल ही में मुंबई में जियो वर्ल्ड ड्राइव में अपनी प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति के दौरान बारिश होने लगी, जिसके चलते उनका कार्यक्रम बाधित हो गया। हालांकि, गायक ने बारिश को खुद को ऊपर हावी नहीं होने दिया और बारिश में ही गीत गाते रहे। अब सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह छाता लेकर गाते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में शान को काली शर्ट पहने हुए देखा जा सकता है। वह अपने दर्शकों से कहते हुए सुनाई दे रहे हैं, मैं तो छता लेके गा रहा हूं, लेकिन इसलिए नहीं कि मैं भीगना नहीं चाहता। ये तो सिर्फ, माइक को बचाने के लिए। वरना मुझे तो बारिश में बहुत मजा आता है। कुछ ही देर बाद उन्होंने अपना आइकॉनिक गाना दिल ने तुमको चुन लिया है गाना शुरू कर दिया। एक सोशल मीडिया यूजर ने शान का एक वीडियो साझा किया और प्रशंसा करते हुए नोट लिखा यूजर ने लिखा, यार, क्या रात थी! यह एक ओपन कॉन्सर्ट था और जब माहौल गर्म हो रहा था, बारिश आ गई। सब निकल गए स्टेज से, लाइटें बंद हो गईं, लेकिन शान मंच पर रहे कोई बैकग्राउंड म्यूजिक नहीं, बस उनकी आवाज बारिश में गूंज रही थी। भीड़ भीग गई थी, वह भीग गए थे, लेकिन वह एक सच्चे कलाकार की तरह प्रदर्शन करते रहे। ईमानदारी से, हमें उनके संगीत की भी आवश्यकता नहीं थी। आवाज माहौल को जीवंत रखने के लिए पर्याप्त थी। इस भावना को सलाम। इससे पहले, अपने कॉन्सर्ट के बारे में बात करते हुए शान ने एक बयान में कहा कि वह ट्राइबवाइब और इस शो का प्रबंधन करने वाले क्रू मेंमबर्स के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि अपने शहर में कॉन्सर्ट को करना इसे और भी खास बनाता है।

## कराटे चैंपियन 2024 में नायरा शुक्ला प्रथम, परिजनों में खुशी

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। 9वां इन्टरनेशनल जापान कराटे अकॉडमी उत्तर प्रदेश चैंपियनशिप 2024 का आयोजन 20 अक्टूबर 2024 को बाल मित्र स्कूल प्रीतम नगर प्रयागराज में किया गया। जिसमें जौनपुर जिले के शाहगंज तहसील, ग्राम ओईना की बेटी नायरा शुक्ला (पीहू) पुत्री अश्वनी कुमार शुक्ला पत्रकार उत्तरशक्ति (टीहू) ने गोल्ड मेडल हाशिल कर अपने जिला और गाँव का नाम रोशन किया। बेटी की मंगल भविष्य की कामना की जाती हैं । इस प्रतियोगता में उत्तर प्रदेश के 10 जिलों प्रयागराज, आजमगढ , चंदौली, प्रतापगढ, वाराणसी, कौशांबी, फतेहपुर, लखनऊ, रायबरेली के बच्चो ने हिस्सा लिया। नायरा शुक्ला के प्रशिक्षक श्री सत्या सर सहित परिवार व शुभचिंतकों ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

## तंबाकू नियंत्रण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दीपक मिश्रा हुए सम्मानित

पटना (उत्तरशक्ति)। बिहार झारखंड मेडिकल फोरम के तत्वाधान में दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में दोनों राज्यों में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सीड्स संस्था के कार्यपालक निदेशक दीपक मिश्रा को सम्मानित किया गया। श्री मिश्रा भारत में तंबाकू नियंत्रण अभियान के अग्रणी के रूप में जाने जाते हैं । उनका संगठन सीड्स पिछले 14 वर्षों से अधिक समय से तंबाकू नियंत्रण अभियान के कार्यान्वयन में बिहार, झारखंड और दिल्ली सरकार को तकनीकी सहयोग प्रदान कर रही है। सीड्स भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर देश के सभी शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। साथ ही राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों में तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम (कोटपा 2003) के अनुपालन में उनका बहुत ही सराहनीय योगदान रहा है। विदित हो कि सीड्स संस्था को तंबाकू नियंत्रण के क्षेत्र में अच्छे कार्य के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन से प्रतिष्ठित डब्लूएनटीडी अवार्ड 2020 से नवाजा जा चुका है।

## डॉ.आर.ए. तिवारी फाउंडेशन द्वारा विद्यालय में जलशोधन संयंत्र की स्थापना

जौनपुर। सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक पंजीकृत न्यास डॉ.आर. तिवारी फाउंडेशन द्वारा कंपोजिट विद्यालय पोखरा- विजयगिर, ब्लाक बरसठी (जौनपुर, उत्तर प्रदेश ) में स्वर्गीय पं. अवधनारायण तिवारी की पावन स्मृति में विद्यार्थियों के लिए शुद्ध जल उपलब्ध कराने हेतु जलशोधन संयंत्र (RO) की समारोह पूर्वक स्थापना की गयी।इस अवसर पर ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ.राधेश्याम तिवारी, मानद मंत्री डॉ.शिवश्याम तिवारी, कोषाध्यक्ष डॉ.संदीप तिवारी, ग्राम प्रधान अच्छेलाल विश्वकर्मा, समाजसेवी अरविंद तिवारी, मुख्याध्यापक राजकमल राव, सहायक अध्यापक कामता यादव, धनीशंकर, सुशील कुमार निगम,अमरेश बहादुर सिंह, शिक्षामित्र मीरा यादव और बड़ी संख्या में विद्यार्थी और ?ग्रामीण वासी उपस्थित थे। डॉ.राधेश्याम तिवारी ने ट्रस्ट द्वारा विद्यालय और विद्यालय परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया और विद्यालय को दत्तक लेने की घोषणा की। समाजसेवी लक्ष्मीनारायण (फलई) तिवारी ने आभार व्यक्त किया। ट्रस्ट की ओर से बच्चों को मिठाई (जलेबी ) का वितरण किया गया।और इस प्रकार हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

# गरीबों के लिए संजीवनी बनी आयुष्मान कार्ड : पीएम मोदी

वाराणसी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीमारी गरीब को और गरीब बनाती है। 10 साल में 25 करोड़ लोग बीमारी से बाहर निकले। बीमारी हो ही नहीं, इसके लिए सरकार जोर दे रही है। सरकार योग, साफ-सफाई पोषण, खान-पान पर विशेष ध्यान दे रही है। टीकाकरण को भी ज्यादा से ज्यादा घरों तक ले जाया जा रहा है। 10 साल पहले देश में टीकाकरण का ग्राफ 60 फीसदी तक की थी। बहुत से बच्चे टीकाकरण के दायरे में नहीं थे। हर साल टीकाकरण का ग्राफ 1 प्रतिशत बढ़ रहा था, अगर ऐसा ही रहता तो बच्चों को टीकाकरण के दायरे में लाने में 40 से 50 साल लग जाते।

यह देश की नई पीढ़ी के साथ बहुत बड़ा अन्याय हो रहा था। अब सरकार की ओर से बच्चों का टीकाकरण का कवरेज बढ़ाया दिया गया है। मिशन इंद्रधनुष अभियान चलाया गया। इसमें एक साथ कई मंत्रालयों को भी लगाया गया। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि बीमारी से बचाव के लिए सबसे जरूरी है कि समय से बीमारी का पता चल जाए। इसके लिए क्रिटिकल केयर ब्लॉक और आधुनिक लैब भी बनाए जा रहे हैं। इससे लाखों लोगों की जान बच रही है। सस्ता इलाज और सस्ती दवा भी लोगों को मिल रही है। देश में लोगों की बीमारी पर खर्च होने वाले रुपये का 25 फीसदी औसत खर्च कम हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कैंसर की दवाओं के साथ ही स्टंट, इंप्लांट का दाम भी कम कर दिया गया। गरीबों को मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान योजना संजीवनी साबित हो रही है। मुफ्त इलाज का लाभ 7.50 करोड़ लोग लाभ ले चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि आर के शंकरा आई हॉस्पिटल का उद्घाटन से काशी की सेवा और विकास के अभियान में एक नई कड़ी जुड़ गई है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि एक नया संकरा आई फाउंडेशन देश के अंदर नेत्र रोगियों को एक नया जीवन देने का एक प्रतिष्ठित अभियान है। जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज की प्रेरणा से 1977 से शुरू हुआ, अभियान देश के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के जीवन में नई रोशनी लाने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्ष में काशी में विकास का नया रूप हमें देखने को मिल रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी नए प्रतिमान बन रहे हैं। विकास और सेवा के क्षेत्र में नए-नए प्रकल्प यहां जुड़े हैं। ढाई हजार करोड़ रुपये की लागत से केवल स्वास्थ्य के क्षेत्र में यहां पर कार्य संपन्न हुआ है। बीएचयू में 430 बेड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल और ईएसआईसी हॉस्पिटल में 150 बेड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का निर्माण करके उत्तर प्रदेश, बिहार और आसपास के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने की कार्रवाई यहां पर आगे बढ़ी है। इससे पूर्व शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती ने कहा कि समाज में व्यक्ति भी मुख्य है और व्यक्तित्व भी मुख्य है और सबको जोड़ने का नेता भी चाहिए। विश्व में बहुत बड़ा प्रजातंत्र है। अच्छे नेता अभी ईश्वर कृपा से मिलते हैं। ईश्वर की कृपा की वजह से ही नरेंद्र दामोदरदास मोदी मिले हैं। शंकराचार्य ने एनडीए को नरेंद्र दामोदरदास का अनुशासन बताया। सभी की सुरक्षा के रूप में काम कर रहा है विश्व में एक आदर्श सरकार के रूप में काम कर रहा है। इलेक्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 140 करोड़ जनता के साथ ही सबके प्रति श्रद्धा, प्रेम, दया प्रेम भाव के साथ काम कर रहे हैं। सामान्य व्यक्ति को क्या जरूरत है उनकी क्या पीड़ा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समझते हैं। उनके पास काम करने का अनुभव है। कल्याणकारी योजनाएं सजा साकार हो रही है। भारत की विशेषता के लिए धर्म और संस्कृति का भी विकास होना बहुत जरूरी है। बहुमुखी प्रदेश के उज्जवल के लिए यह सब जरुरी है। इसके लिए यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शांति के लिए बेहतर काम कर रहे हैं।

## 10 वर्ष में काशी में 44 हजार करोड़ की परियोजनाएं हुईं स्वीकृत : सीएम योगी

वाराणसी,(उत्तरशक्ति ) ।वाराणसी, 20 अक्टूबर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक ओर जहां इंफ्रास्ट्रक्चर में रोजगार के नए-नए माध्यम सृजित हुए हैं। वहीं दूसरी ओर देश के अंदर आम नागरिक के जीवन से जुड़ी स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य योजनाएं भी नए रूप में देखने को मिली हैं। सौभाग्य है कि नए भारत के नेतृत्वकर्ता के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के काशी से देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। अपनी आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए नए काया और कलेवर के रूप में 10 वर्ष में बदलती काशी को पूरा देश-दुनिया देख रही है। सीएम योगी ने कहा कि 10 वर्ष में केवल काशी में ही 44 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। 34 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं ।जबकि 10 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं निमार्णाधीन हैं। दीपावली के ठीक पहले आज काशीवासियों को 3200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित किया। सीएम ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न प्रदान कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। 10 वर्ष में हमने एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार होते देखा ।सीएम योगी ने कहा कि 10 वर्ष में हमने बदलते हुए नए भारत को देखा है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार होते और मूर्त रूप लेते देखा है। भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। रोड, एयर कनेक्टिविटी, वाटरवे या रेलवे-पब्लिक ट्रांसपोर्ट, नगरीय क्षेत्रों की मेट्रो व रैपिड रेल की सुविधा हो, प्रत्येक क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर का आज आधुनिक मॉडल देखने को मिला है। दीपावली के ठीक पहले पीएम के करकमलों से काशीवासियों, प्रदेशवासियों और देशवासियों को 6700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है। सीएम ने हरियाणा की जीत पर बधाई दी तो लोकार्पण-शिलान्यास पर जताया आभार सीएम योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा की ऐतिहासिक विजय पर प्रदेशवासियों व काशीवासियों की तरफ से पीएम का स्वागत-अभिनंदन किया। सीएम योगी ने कहा कि पीएम के करकमलों से काशी में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन के शिलान्यास, आगरा में नए एयरपोर्ट के शिलान्यास व सहारनपुर के सरसावा एयरपोर्ट के लोकार्पण हो रहा है। इसके लिए सहारनपुर व आगरा के नागरिकों की तरफ से आभार प्रकट करता हूं। समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्नाआदि मौजूद रहे।

## करवा चौथ का त्यौहार रहा प्रिंस-युविका के लिए खास

आज, रविवार को पूरे देश में शादी-शुदा जोड़ा करवा चौथ का त्यौहार मना रहा है। पति-पत्नी के लिए ये त्यौहार काफी खास होता है, लेकिन टीवी कपल प्रिंस नरूला और युविका चौधरी के लिए ये त्यौहार एक बड़ी खुशखबरी लेकर आया है। इस कपल ने अपने परिवार में एक प्यारे से नए सदस्य का स्वागत किया है। दोनों बेबी गर्ल के माता-पिता बन गए हैं। अभी कुछ महीने पहले ही कपल ने युविका की प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी, जिसके बाद इन्होंने दिल को छू लेने वालीं मैटरनिटी और प्रेग्नेंसी फोटोशूट की तस्वीरें साझा की थीं। 41 साल की उम्र में आईवीएफ तकनीक से युविका ने अपनी बेटी को जन्म दिया है। इनके करीबी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि युविका ने कल शाम को बेबी गर्ल को जन्म दिया है।

हालांकि, प्रिंस और युविका ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। प्रिंस के पिता जोगिंदर नरूला ने इस खुशखबरी की पुष्टि की है और उन्होंने साझा किया है कि पूरा परिवार काफी खुश और धन्य महसूस कर रहा है। गौरतलब है कि प्रिंस और युविका की प्रेमकहानी काफी ज्यादा चर्चित रही है। इसकी शुरूआत साल 2015 में बिग बॉस 9 के सेट पर हुई थी। दोनों ने साल 2016 में सगाई की और साल 2018 में धूमधाम के साथ विवाह के बंधंन में बंध गए थे। इसस पहले एक इंटरव्यू में युविका ने जीवन के इस नए पड़ाव को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि दोनों इस नई जिम्मेदारी को लेने के लिए तैयार हैं और जीवन के इस खूबसूरत दौर का अनुभव करने को लेकर काफी उत्साहित भी हैं। इस दौरान युविका ने मां बनने के लिए आईवीएफ तकनीक चुनने के अपने फैसले को लेकर भी बात की थी। उन्होंने कहा था, मैं चाहती थी कि प्रिंस का करियर अच्छी तरह से स्थापित हो और हमने बच्चों की प्लानिंग को आगे बढ़ाया। हालांकि, बाद में फिर मुझे एहसास हुआ कि समय के साथ, आपका शरीर और उम्र बहुत सी चीजों का समर्थन नहीं करते हैं। इसके बाद मैंने प्रिंस से चर्चा की कि मैं आईवीएफ का विकल्प चुनना चाहती हूं, क्योंकि मैं प्रिंस के करियर को बाधित नहीं करना चाहती थी।

## लेखनी कायस्थ परिवार ने मनाया चित्रगुप्त पूजा उत्सव, महिलाओं को किया सम्मानित

पटना (उत्तरशक्ति)। चित्रांश परिवार की महिलाओं द्वारा संचालित संस्था लेखनी कायस्थ परिवार द्वारा चित्रगुप्त पूजा उत्सव सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत चित्रगुप्त भगवान के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इसके पश्चात समाज में अपने कार्यों से अहम योगदान देने वाली कायस्थ महिलाओं को सम्मानित किया गया जिनमें माया शंकर, माया लाल, किरण घई, डॉ. रंजना कुमार, अधिवक्ता सोनी श्रीवास्तव, ज्योतिषाचार्य अनीता नारायण शामिल थी। साथ ही संस्था द्वारा डॉ. स्वामिनंदन को अविस्मरणीय सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में संध्या, रत्ना पुरकायस्था, पूजा, प्रतिमा, संगीता वर्मा, करुना वर्मा, नीलम, रागिनी, रेखा, अंजू, संध्या, डॉ रीशु, नीता, चंदा, कविता, विनीता, सरीना, साक्षी, एवं नूतन द्वारा नृत्य एवं नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम संयोजक नुपुर प्रसाद ने कहा कि कायस्थ समाज को एकत्रित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजन हमारी संस्था द्वारा किया जाता रहता है। उन्होंने बताया कि लेखनी कायस्थ परिवार की स्थापना 2021 में हुई थी तब से इस संस्था के सदस्य पैसा जमा कर कायस्थ समाज में शादी, रोजगार, इलाज एवं पढाई के लिए जरूरतमंदों को पैसे मुहैया कराते रही है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सरिता प्रसाद, चंदना सहाय, अंजुला सहाय, संध्या सिन्हा एवं सुनील प्रकाश की मुख्य भूमिका रही। कार्यक्रम में 150 से अधिक कायस्थ परिवार ने हिस्सा लिया।

## मां के देहांत से किच्चा सुदीप पर टूटा दुखों का पहाड़, पूर्व मुख्यमंत्री के गले लग रोते आए नजर

एंटरटेनमेंट डेस्क, अमर उजकन्नड़ फिल्मों के सुपरस्टार किच्चा सुदीप पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अभिनेता की मां सरोजा संजीव का आज, 20 अक्तूबर को निधन हो गया। 86 वर्ष की आयु में स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं की वजह से वह अस्पताल में भर्ती थीं, जहां बेंगलुरु के जयनगर में अपोलो अस्पताल में उनका उपचार किया जा रहा था। हालांकि, मेडिकल टीम के तमाम प्रयासों के बावजूद सुबह सात बजे उनका देहांत हो गया। अभिनेता के साथ इस दुख की घड़ी में फैंस समेत कई लोगों ने उन्हें सांत्वना दी है। अभिनेता लगातार अपनी मां के पार्थिव शरीर के सामने रोते नजर आए। अब इंटरनेट पर सुदीप की कई तस्वीरें और वीडियो सामने आई हैं, जिनमें वो अपनी मां के पार्थीव शरीर से लिपट कर रोते नजर आ रहे हैं। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने उनकी मां को श्रद्धांजलि अर्पित की और सुदीप को सांत्वना देते हुए भावुक नजर आए। बोम्मई ने सुदीप की मां को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, अभिनेता सुदीप की मां सरोजा का निधन मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी क्षति है। वह मां की ममता की प्रतिमूर्ति थीं, जो हमेशा अपने घर आने वाले हर व्यक्ति का गर्मजोशी से स्वागत करती थीं।

वह वास्तव में अन्नपूर्णेश्वरी की तरह थीं, जब भी हम उनके घर आते थे, तो वह भोजन परोसती थीं और मेहमानों के साथ प्यार और देखभाल से पेश आती थीं। उनकी अनुपस्थिति ने मुझे व्यक्तिगत रूप से काफी दुखी किया है। मैं उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए उनके घर जाऊंगा। मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान सुदीप और उनके परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति दे।

मगर में सुदीपा के आवास लाया गया, जहां परिवार और अन्य लोगों ने अपनी संवेदना व्यक्त कीं। अभिनेता की मां का अंतिम संस्कार विल्सन गार्डन श्मशान घाट पर हुआ।

इस दौरान अभिनेता के सैकड़ों प्रशंसक उनकी मां को श्रद्धांजलि देने और इस मुश्किल समय में अभिनेता का साथ देने के लिए उनके आवास और श्मशान घाट के पास एकत्रित हुए। सुदीप हमेशा अपनी मां को लेकर मुखर रहे हैं और वह अक्सर मां को लेकर अपना प्रेम जाहिर करते रहे हैं।

## ननिहाल में रह रही युवती ने लगाई फांसी ,मौत

जौनपुर,(उत्तरशक्ति )सरपतहां थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार की शाम 20 वर्षीय युवती फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के बाद से ही परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। आनन फानन में पुलिस को सूचना दी गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले ली। रिपोर्ट के अनुसार सरपतहां क्षेत्र के एक गांव की निवासी संध्या पुत्री अमरबहादुर किसी बात से आहत थी। परिवार के लोग समझ नहीं पाए। लोग जब घर से बाहर मौजूद थे उसी समय युवती ने फांसी लगा ली। युवती ननिहाल मे रहती थी। मूल निवासी सुल्तानपुर कादीपुर थाना क्षेत्र के कमलापुर गांव की थी। फांसी लगाने का कारण साफ नहीं हो पा रहा है। पुलिस जांच में जुटी है। परिवार के लोगों का रो रो बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।युवती की अभी शादी नहीं हुई थी लोगो ने दबी जुबान बताया की मामला प्रेम प्रपंच का है।

## पति की लंबी आयु के लिए महिलाओं ने रखा करवा चौथ व्रत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शीतला चौकियां धाम में आज सैकड़ों सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी आयु के लिए निर्जला व्रत रख करवा चौथ पूजन किया। करवा चौथ के पूरे दिन निर्जला उपवास रहकर शाम में सोलह श्रृंगार कर पूजन थाल सजाकर सामूहिक रूप से महिलाएं मां शीतला मातारानी जी का दर्शन कर करवा चौथ की पूजा की। चौथ की रात में चंद्रमा को चलनी से देख अर्घ्य देकर अपने पति की भी पूजा की। सुहाग का दीपक सदा जलता रहे लंबी आयु की मंगलकामना की। चलनी की ओट से पति को देखकर उनके हाथों से पानी पीकर आशीर्वाद प्राप्त कर व्रत पूर्ण किया। करवा चौथ व्रत पूजन सनातन धर्म का एक प्रमुख त्योहार है। शास्त्रों के अनुसार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को मनाया जाता है। इस पर्व पर सुहागिन स्त्रियाँ पति की दीघार्यु, स्वास्थ्य एवं सुख शान्ति सौभाग्य की प्राप्ति के लिए निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं और शाम को चंद्रमा दर्शन के उपरांत भोजन करती हैं।

## सीरी में राष्ट्रीय आयुर्वेद उत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ चिकित्सा शिविर

पिलानी। 9 वे राष्ट्रीय आयुर्वेद उत्सव के उपलक्ष्य में सीएसआईआर- सीरी पिलानी में निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ,जिसका विधिवत उद्घाटन सीरी के निदेशक डॉ.पीसी पंचारिया ने किया और उद्घाटन के अवसर पर आयुर्वेद के महत्व एवम् आयुर्वेद के क्षेत्र में शोधरत सीएसआईआर प्रोगशालाओ का उल्लेख भी किया।आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. रमेश कुमार शर्मा ने आयुर्वेद के प्रचार प्रसार पर प्रकाश डालते हुए कहा की न केवल सरकार इस दिशा में प्रयासरत है अपितु नवीन अनुसंधानों के बल पर यह पद्धति बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है और युवाओं की चहेती बन रही है इसलिए युवा पीढ़ी भी अब आयुर्वेद को अपनाने लगी है। संस्थान परिसर के गांधी हॉल में आयोजित हुए इस निशुल्क चिकित्सा शिविर में करीब 125 से अधिक सहकर्मियों,उनके परिजनों, सेवा निवृत हुए कर्मचारियों एवम् अन्य उपस्थित जनों ने इसका फायदा उठाया और निःशल्क दवाइयां भी यहां से ही प्राप्त की। राजस्थान आयुर्वेद विभाग झुंझुनूं की ओर से आयोजित हुए इस चिकित्सा शिविर में आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ.रमेश कुमार शर्मा उप निदेशक आयुर्वेद विभाग झुंझुनूं,डॉ.जगदीश चौधरी ब्लॉक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, डॉ.निशा ने अपनी टीम के साथ सेवाएं दी। इनके अतिरिक्त डॉ.रमेश पी. जाजू ने भी आए हुए रोगियों को चिकित्सा परामर्श दिया। शिविर के समापन पर संस्था के निदेशक डॉ.पंचारिया ने अतिथियों को संस्थान की ओर से शानदार स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। यहां के प्रशासनिक नियंत्रक जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

## प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.की बैठक संपन्न

पनवेल, नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.राष्ट्रीय सामाजिक संस्था की कार्यकारिणी की बैठक कनार्ला स्पोर्ट्स अकैडमी, जूना थाना नाका, पनवेल नई मुंबई में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रताप प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया और यह सहमति व्यक्त किया कि प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.का 20वां वार्षिक सम्मेलन 12 जनवरी 2025 को पनवेल में कराया जाएगा। सम्मेलन में वर वधु परिचय, मेधावी छात्रों का सम्मान, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा के लिए समाज के पांच महान विभूतियों को प्रजापति समाज रत्न अवॉर्ड 2025 से सम्मानित भी किया जाएगा। समाज के विशिष्ट महानुभावों द्वारा समाज के उत्थान, शैक्षणिक प्रगति, आर्थिक उन्नति व्यवसाय में प्रगति एवं राजनीतिक भागीदारी सहित सभी ज्वलंत विषयों पर चर्चा कराई जाएगी। समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। बैठक में सी.पी. प्रजापति को समाज रत्न अवार्ड 2024 मिलने पर खुशी व्यक्त की गई और सदस्यों द्वारा उनका सत्कार भी किया गया। बैठक में भाग लेने वालों में गजेंद्र प्रजापति, विनोद प्रजापति, राजेंद्र प्रजापति, सूर्यनाथ परदेसी, भगवान दास प्रजापति, इंदर प्रजापति, विशाल प्रजापति, बंधु प्रजापति, पी.एन प्रजापति, डॉ. ज्ञान प्रकाश प्रजापति, दिलीप प्रजापति, तूफानी प्रजापति, आकाश प्रजापति, अजय प्रजापति, लव कुमार प्रजापति, वशिष्ठ परदेसी, मुकेश प्रजापति एवं प्रियांश प्रजापति आदि सदस्यों में ने भाग लिया।

## पेंटिंग स्पर्धा में स्वेधा यादव को जनपद में मिला पहला स्थान

जौनपुर। जनपद के सेंट पैट्रिक्स स्कूल में आयोजित स्कूल इंटर पेटिंग कंपटीशन में तहसील बदलापुर के सेंट जेवियर्स स्कूल के कक्षा 10 की छात्रा स्वेधा यादव ने जनपद जौनपुर में प्रथम स्थान प्राप्त करके स्कूल और परिजनों का नाम रोशन किया। स्वेधा यादव बदलापुर के समाजवादी पार्टी के विधानसभा उपाध्यक्ष संजय यादव की पुत्री तथा प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेशीय महामंत्री तथा जिलाध्यक्ष जौनपुर अनिल यादव की भतीजी हैं। इनके इस प्रदर्शन से परिजनों में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी, जिला मंत्री डॉ. भानु प्रताप राव, प्राथमिक शिक्षक संघ बदलापुर के अध्यक्ष उमेश चंद्र मिश्र, मंत्री तथा प्रदेशीय उपाध्यक्ष राय साहब यादव, प्रधानाध्यापक शरद यादव , सच्चिदानंद यादव, लेफ्टिनेंट बृजभूषण यादव , प्रबन्धक प्रवीण यादव, संतोष निषाद, प्रेमप्रकाश, सुरेन्द्र यादव,विनोद यादव, गौरव यादव, अभिषेक तिवारी, विकास दुबे, वीरेंद्र यादव, सारांश यादव सहित दर्जनों अध्यापकों एवं गणमान्य लोगों ने स्वेधा यादव को उनके निज आवास पर पहुंचकर बधाई दी।